सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023
www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 319, नई दिल्ली । रविवार, 19 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

03 सभी किराएदारों को बिजली-पानी पर सब्सिडी का फायदा मिलेगा....
06 परीक्षा के दिनों में इन बातों का ध्यान रखिए
08 सिंगापुर के राष्ट्रपति ने पट्टचित्रा गांव पुरी की हरिराजपुर का दौरा किया

गणतंत्र दिवस पर पदम अवॉर्ड प्राप्त करने वालों के नाम

SN	Name	Field
1	Shri Duvvur Nageshwar Reddy	Medicine
2	Justice (Retd.) Shri Jagdish Singh Khehar	Public Affairs
3	Smt. Kumudini Rajnikant Lakhia	Art
4	Shri Lakshminarayana Subramaniam	Art
5	Shri M. T. Vasudevan Nair **(Posthumous)**	Literature and Educatio
6	Shri Osamu Suzuki **(Posthumous)**	Trade and Industry
7	Smt. Sharda Sinha	Art
8	Shri A Surya Prakash	Literature and Education Journalism
9	Shri Anant Nag	Art
10	Shri Bibek Debroy **(Posthumous)**	Literature and Education
11	Shri Jatin Goswami	Art
12	Shri Jose Chacko Periappuram	Medicine
13	Shri Kailash Nath Dikshit	Others - Archaeology
14	Shri Manohar Joshi **(Posthumous)**	Public Affairs
15	Shri Nalli Kuppuswami Chetti	Trade and Industry
16	Shri Nandamuri Balakrishna	Art
17	Shri P R Sreejesh	Sports
18	Shri Pankaj Patel	Trade and Industry
19	Shri Pankaj Udhas **(Posthumous)**	Art
20	Shri Rambahadur Rai	Literature and Education Journalism
21	Sadhvi Ritambhara	Social Work
22	Shri S Ajith Kumar	Art
23	Shri Shekhar Kapur	Art
24	Ms. Shobana Chandrakumar	Art
25	Shri Sushil Kumar Modi **(Posthumous)**	Public Affairs
30	Shri Anil Kumar Boro	Literature and Educatior
31	Shri Arijit Singh	Art
32	Smt. Arundhati Bhattacharya	Trade and Industry
33	Shri Arunoday Saha	Literature and Educatior
34	Shri Arvind Sharma	Literature and Educatior
35	Shri Ashok Kumar Mahapatra	Medicine
36	Shri Ashok Laxman Saraf	Art
37	Shri Ashutosh Sharma	Science and Engineering
38	Smt. Ashwini Bhide Deshpande	Art
39	Shri Baijnath Maharaj	Others - Spiritualism
40	Shri Barry Godfray John	Art
41	Smt. Begam Batool	Art
[illegible]	[illegible]	[illegible]
43	Shri Bheru Singh Chouhan	Art
44	Shri Bhim Singh Bhavesh	Social Work
45	Smt. Bhimavva Doddabalappa Shillekyathara	Art
46	Shri Budhendra Kumar Jain	Medicine
47	Shri C S Vaidyanathan	Public Affairs
48	Shri Chaitram Deochand Pawar	Social Work
49	Shri Chandrakant Sheth **(Posthumous)**	Literature and Education
50	Shri Chandrakant Sompura	Others - Architecture
51	Shri Chetan E Chitnis	Science and Engineering
52	Shri David R Syiemlieh	Literature and Education
53	Shri Durga Charan Ranbir	Art
54	Shri Farooq Ahmad Mir	Art
55	Shri Ganeshwar Shastri Dravid	Literature and Education
56	Smt. Gita Upadhyay	Literature and Education
57	Shri Gokul Chandra Das	Art
58	Shri Guruvayur Dorai	Art
59	Shri Harchandan Singh Bhatty	Art
60	Shri Hariman Sharma	Others - Agriculture
61	Shri Harjinder Singh Srinagar Wale	Art
62	Shri Harvinder Singh	Sports
63	Shri Hassan Raghu	Art
64	Shri Hemant Kumar	Medicine
65	Shri Hriday Narayan Dixit	Literature and Education
66	Shri Hugh and Colleen Gantzer **(Posthumous) (Duo)***	Literature and Educatio Journalism
67	Shri Inivalappil Mani Vijayan	Sports
68	Shri Jagadish Joshila	Literature and Educatior
69	Smt. Jaspinder Narula	Art
70	Shri Jonas Masetti	Others - Spiritualism
71	Shri Joynacharan Bathari	Art
72	Smt. Jumde Yomgam Gamlin	Social Work
73	Shri K. Damodaran	Others - Culinary
74	Shri K L Krishna	Literature and Educatior
75	Smt. K Omanakutty Amma	Art
76	Shri Kishore Kunal **(Posthumous)**	Civil Service
77	Shri L Hangthing	Others - Agriculture
78	Shri Lakshmipathy Ramasubbaiyer	Literature and Educatior Journalism
79	Shri Lalit Kumar Mangotra	Literature and Educatior
80	Shri Lama Lobzang **(Posthumous)**	Others - Spiritualism
81	Smt. Libia Lobo Sardesai	Social Work
82	Shri M D Srinivas	Science and Engineering
83	Shri Madugula Nagaphani Sarma	Art
84	Shri Mahabir Nayak	Art
85	Smt. Mamata Shankar	Art
86	Shri Manda Krishna Madiga	Public Affairs
87	Shri Maruti Bhujangrao Chitampalli	Literature and Education
88	Shri Miriyala Apparao **(Posthumous)**	Art
89	Shri Nagendra Nath Roy	Literature and Education
90	Shri Narayan (Bhulai Bhai) **(Posthumous)**	Public Affairs
91	Shri Naren Gurung	Art
92	Smt. Neerja Bhatla	Medicine
93	Smt. Nirmala Devi	Art
94	Shri Nitin Nohria	Literature and Education
95	Shri Onkar Singh Pahwa	Trade and Industry
96	Shri P Datchanamoorthy	Art
97	Shri Pandi Ram Mandavi	Art
98	Shri Parmar Lavjibhai Nagjibhai	Art
99	Shri Pawan Goenka	Trade and Industry
100	Shri Prashanth Prakash	Trade and Industry
101	Smt. Pratibha Satpathy	Literature and Education
102	Shri Purisai Kannappa Sambandan	Art
103	Shri R Ashwin	Sports
104	Shri R G Chandramogan	Trade and Industry
105	Smt. Radha Bahin Bhatt	Social Work
106	Shri Radhakrishnan Devasenapathy	Art
107	Shri Ramdarash Mishra	Literature and Education
108	Shri Ranendra Bhanu Majumdar	Art
109	Shri Ratan Kumar Parimoo	Art
110	Shri Reba Kanta Mahanta	Art
111	Shri Renthlei Lalrawna	Literature and Education
112	Shri Ricky Gyan Kej	Art
113	Shri Sajjan Bhajanka	Trade and Industry
114	Smt. Sally Holkar	Trade and Industry
115	Shri Sant Ram Deswal	Literature and Education
116	Shri Satyapal Singh	Sports
117	Shri Seeni Viswanathan	Literature and Education
118	Shri Sethuraman Panchanathan	Science and Engineering
119	Smt. Sheikha Shaikha Ali Al-Jaber Al-Sabah	Medicine
120	Shri Sheen Kaaf Nizam (Shiv Kishan Bissa)	Literature and Education
121	Shri Shyam Bihari Agrawal	Art
122	Smt. Soniya Nityanand	Medicine
123	Shri Stephen Knapp	Literature and Education
124	Shri Subhash Khetulal Sharma	Others - Agriculture
125	Shri Suresh Harilal Soni	Social Work
126	Shri Surinder Kumar Vasal	Science and Engineering
127	Shri Swami Pradiptananda (Kartik Maharaj)	Others - Spiritualism
128	Shri Syed Ainul Hasan	Literature and Education
129	Shri Tejendra Narayan Majumdar	Art
130	Smt. Thiyam Suryamukhi Devi	Art
131	Shri Tushar Durgeshbhai Shukla	Literature and Education
132	Shri Vadiraj Raghawendracharya Panchamukhi	Literature and Education
133	Shri Vasudeo Kamath	Art
134	Shri Velu Aasaan	Art
135	Shri Venkappa Ambaji Sugatekar	Art
136	Shri Vijay Nityanand Surishwar Ji Maharaj	Others - Spiritualism
137	Smt. Vijayalakshmi Deshamane	Medicine
138	Shri Vilas Dangre	Medicine
139	Shri Vinayak Lohani	Social Work

हमारी पहचान भारत महान।

भारत भूमि महान,
यहाँ वीरों की खान है
नफ़रत नहीं है हम सभी में,
हमारी एकता ही हमारी पहचान है'।

जात-पांत का नहीं है कोई रंग,
भाईचारे का है यहाँ सबका संग
यही गंगा-जमुनी संस्कृति को दिखाते हैं हम,
हम भारतीय हैं, यही हमारी पहचान है'।

गणतंत्र के रक्षक बन कर,
देश के लिए आगे आएँ हम।
वीरों की इस भूमि पर अपना फ़र्ज़ निभाएँ,
इस तिरंगे का सम्मान हमारी पहचान है'॥

महाकुंभ में आ रहे लोगों के सूचनार्थ, कृपया सभी लोगों तक पहुंचाएं।

परिवहन विशेष न्यूज

प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे कैसे'?

अगर आप प्रयागराज आ रहे हैं तो कुछ स्थान जिनके नाम आपको पता होने चाहिए।

(1) **चुंगी :-** यह आखिरी स्थान है जहां तक ऑटो जा सकती है। मेला क्षेत्र यहां से लगभग 3 किलोमीटर है। शाही स्नान के दिन ऑटो यहां तक नहीं आती।

(2) **बैंक रोड़ :-** यह प्रयाग जंक्शन के सबसे पास की जगह है। यहां से आपको कानपुर, लखनऊ, बलिया, गोरखपुर आदि शहरों की बसें भी मिलेंगी। 'अमृत स्नान' के दिन यहां से आगे ऑटो जाने की अनुमति नहीं है।

(3) **सिविल लाइंस :-** यहां से आपको सभी स्थानों के लिए रोड़वेज बसें मिलेंगी।

(4) **बालसन चौराहा :-** इसके पास ही भरद्वाज पार्क और आश्रम है, सिविल लाइंस की तरफ से आपको यहां तक की ऑटो मिल सकती है।

आपके लिए 5 मुख्य रेलवे स्टेशन हैं जहां आपको उतारा जाएगा।

प्रयागराज जंक्शन -

यहां उतरने के बाद आप सिविल लाइंस जा सकते हैं और वहां से आपको बालसन चौराहे तक की ऑटो मिल सकती है। आपको सरकारी बस भी मिल सकती है लेकिन फ्री होने के कारण उसमें भीड़ अधिक रहेगी।

प्रयागराज संगम -

यह मेला क्षेत्र के सबसे नजदीक का स्टेशन है, यहां से मेला क्षेत्र मात्र 1 किलोमीटर से थोड़ा अधिक पड़ेगा। ध्यान रहे, अमृत स्नान और कुछ विशेष दिनों पर यह स्टेशन बंद रहेगा।

प्रयाग जंक्शन -

यह स्टेशन लगभग 5 किलोमीटर है अगर आप यहां उतरते हैं तो यहां से आपको पैदल ही मेला क्षेत्र तक जाना पड़ेगा, रात्रि के समय आपको ऑटो मिल सकती है।

फाफामऊ -

यह स्टेशन प्रयाग जंक्शन से पहले पड़ता है, यहां से उतरकर आप बैंक रोड़ जा सकते हैं और फिर वहां से मेला क्षेत्र में पैदल जाना पड़ेगा।

प्रयागराज छिवकी -

यहां से आपको बालसन चौराहे की तरफ आना पड़ेगा। बाहर निकलते ही ऑटो मिल जाएगा।

आप बैंक रोड़ से सीधा पैदल जा सकते हैं या फिर सिविल लाइंस से ऑटो पकड़ कर चुंगी या बैंक रोड़ जा सकते हैं।

ठहरने की व्यवस्था

आपको स्टेशन के बाहर बहुत सारे होटल और लॉज मिल जाएंगे, इनका किराया थोड़ा अधिक होगा। अगर आपका बजट कम है तो आपको डोरमेट्री मिल जाएगी, जिसका किराया आपको ₹300-1000 रुपये तक रहेगा। कई सारे रैन बसेरा भी हैं जो अलग-अलग संस्थाओं द्वारा लगाए गए हैं। मगर ये सब आपको मेला क्षेत्र में ही मिलेंगे।

खाने की व्यवस्था

प्रयाग आने के बाद आपको खाने के लिए नहीं सोचना पड़ेगा, आप बैंक रोड़ से या बालसन चौराहे से आगे निकलेंगे तो हर 500 मीटर पर एक भंडारा मिलेगा। कई जगह कचौड़ी-सब्जी, छोला-चावल, खिचड़ी आदि आपको मिलेंगी।

इसके अतिरिक्त आप @Swiggy और @Zomato से भी ऑर्डर कर सकते हैं। (No Paid Promotion) लेकिन इनकी डिलिवरी चुंगी क्षेत्र के उस तरफ नहीं होगी।

अगर आप फाफामऊ उतरते हैं तो आप गंगा जी के किनारे बनी रोड़ से भी मेले में जा सकते हैं। इस पर भीड़ कम रहेगी लेकिन ये रास्ता थोड़ा लंबा पड़ेगा। इसके किनारे तीन प्रमुख मंदिर हैं। इसी रास्ते पर आपको नारायणी आश्रम और नागवासुकी मंदिर भी मिलेंगे।

इन बातों का विशेष ध्यान रखें।

- बहुत छोटे बच्चों को लेकर न आएं।
- आपको पैदल चलना पड़ेगा इसलिए बहुत अधिक सामान लेकर भी न आएं।
- अपने फोन और पर्स का विशेष ध्यान रखें।
- सभी लोगों को पर्ची बनाकर एक फोन नंबर लिखकर अवश्य दें।
- आपके आसपास कई पुलिस वाले रहेंगे। अगर कोई खो जाता है तो जाकर तत्काल अनाउंसमेंट करवाएं। इसमें पुलिस वाले आपकी सहायता अवश्य करेंगे।
- मेला क्षेत्र में एक हॉस्पिटल भी बनाया गया है, यदि आवश्यकता हो तो किसी पुलिस वाले से संपर्क करें।
- कृपया नहाते समय अपने फोन तथा सामान का विशेष ध्यान रखें क्योंकि उस समय संगम नदी के किनारे भीड़ अधिक हो जाती है और इसलिए दिक्कत हो सकती है।

यहां आप रास्ता नहीं भटकेंगे बस भीड़ जिस तरफ जा रही हो आप भी उसी तरफ चलते रहें। बाकी भगवान पर भरोसा रखें, प्रयागराज आयें, कुंभ के स्नान करें। और इस दिव्य एवं अलौकिक महाकुंभ को आध्यात्मिकता का अविस्मरणीय अनुभव कीजिए।

जापान में मुफ़्त रसोई गैस, मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन आदि जैसी कोई कल्याणकारी योजनाएँ नहीं हैं

जापान में मुफ़्त रसोई गैस, मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन आदि जैसी कोई कल्याणकारी योजनाएँ नहीं हैं।

उनका आदर्श वाक्य है:

अपनी ज़रूरत के लिए काम करो या उसके बिना जीओ।

संभवतः, ये पाँच सबसे अच्छे कथन हैं जो आपने कभी पढ़े होंगे, और इन्हें भारत में भी लागू किया जाना चाहिए:

1. आप अमीरों को ग़रीब बनाकर ग़रीबों को अमीर नहीं बना सकते।

2. एक व्यक्ति को बिना काम किए जो कुछ भी मिलता है, उसके लिए दूसरे व्यक्ति को काम करना पड़ता है और उसे अपने प्रयासों का कोई इनाम नहीं मिलता।

3. दुनिया की कोई भी सरकार अपने नागरिकों को मुफ़्त में कुछ नहीं दे सकती जब तक कि वह पहले किसी दूसरे नागरिक से न ले ले।

4. आप धन को विभाजित करके उसे गुणा नहीं कर सकते!

5. जब आधे लोगों को मुफ़्त में कुछ मिलता है, तो वे उसके लिए कभी काम नहीं करेंगे, और मुफ़्त लाभ प्रदान करने के लिए काम करने वाले दूसरे आधे लोग हतोत्साहित महसूस करेंगे क्योंकि उनके प्रयासों से उन लोगों को लाभ होता है जो काम नहीं करते।

यह किसी भी समृद्ध राष्ट्र के अंत की शुरुआत है।

अच्छे नागरिकों को इस पागलपन को रोकना चाहिए।

आज, सभी राजनीतिक दल इस दौड़ का हिस्सा हैं।

आइए हम भविष्य में इस खतरे को खत्म करने के लिए अपनी पूरी शक्ति से काम करने का संकल्प लें।

सर्दी-खांसी होने पर भी जाना पड़ रहा है ऑफिस तो बरतें ये सावधानियां

ऑफिस से सर्दी-खांसी की छुट्टी मिलना आसान नहीं होता है। ऐसे में इस स्थिति में भी लोगों को रोजाना ऑफिस जाना पड़ता है और काम करना पड़ता है। ऐसे में आप इस टिप्स की मदद से खुद को और दूसरों को सुरक्षित रख सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में खांसी-जुकाम की समस्या होना आम बात है। सर्दी लगने पर अधिक खांसी और छींक आने लगती हैं। जो दैनिक जीवन में हमें असहज कर देती हैं। ऐसे समय में घर पर रहकर आराम करना चाहिए। लेकिन ऑफिस से सर्दी-खांसी की छुट्टी मिलना आसान नहीं होता है। ऐसे में इस स्थिति में भी लोगों को रोजाना ऑफिस जाना पड़ता है और काम करना पड़ता है। अगर आप भी सर्दी-खांसी की समस्या से परेशान हैं और साथ ही ऑफिस जाना भी जरूरी है, तो यह आपके सेहत के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। साथ ही यह ऑफिस में काम करने वाले अन्य सहकर्मियों के स्वास्थ्य के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

क्योंकि इससे संक्रमण फैलने का खतरा होता है और ऑफिस में बार-बार खांसने या छींकने से सहकर्मियों को भी डिस्टर्ब हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि आप खुद को और दूसरों को सुरक्षित रखने के लिए कुछ सावधानियां बरतें। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि खांसी-जुकाम की स्थिति में ऑफिस जाने की स्थिति में आपको क्या सावधानियां बरतनी चाहिए।

मास्क पहनें

खांसी-जुकाम होने पर हमेशा मास्क पहनकर रखें। खासकर बात करते समय मास्क जरूर पहनें। जिससे कि छींक और खांसी आने पर सामने वाले व्यक्ति को संक्रमण का खतरा न हो। आप N95 या फिर सर्जिकल मास्क का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे बैक्टीरिया और वायरस को फैलने से रोका जा सकता है।

सैनेटाइज करना न भूलें

वहीं नियमित रूप से अपने हाथों को सैनेटाइज करें। खासकर जब आप छींकते और खांसते हैं। इसलिए अपने ऑफिस डेस्क पर सैनेटाइजर जरूर रखें। इसके साथ ही ऑफिस सहकर्मियों से हाथ मिलाने या फिर किसी वस्तु को साझा करने से बचें। इसलिए समय-समय पर हाथ धोएं।

दूरी है जरूरी

सर्दी-खांसी की समस्या होने पर उचित दूरी बनाए रखें। कम से कम 1 मीटर की दूरी तो जरूर होनी चाहिए। वहीं अगर आपके ऑफिस में कोई मीटिंग होनी है और आपको उसमें शामिल होना है, तो आपको मास्क लगाकर मीटिंग में शामिल होना चाहिए। साथ ही दूसरों के नजदीक बैठने से बचें।

रूमाल और टिशू रखें साथ

खांसते या फिर छींकते समय अपने मुंह पर टिशू या रूमाल रखें। वहीं इस्तेमाल किए गए टिशू को फौरन कूड़ेदान में डाल देना चाहिए और माउस, कीबोर्ड, फोन व डेस्क को समय-समय पर साफ करते रहें।

30 दिन में कंट्रोल होगा कोलेस्ट्रॉल, बस सुबह डेली उठकर करें ये 3 काम

जंक फूड का सेवन या फिर अत्याधिक ऑयली फूड खाने से कोलेस्ट्रोल का बढ़ना एक चिंता विषय बन चुका है। यदि आप समय रहते इसको कंट्रोल नहीं किया करते हैं, तो आपके दिल के लिए यह काफी खतरनाक हो सकता है। इसको कंट्रोल करना काफी जरुरी है । हमेशा इसको कंट्रोल में रखने के लिए डेली रूटीन ठीक करें।

खराब लाइफ स्टाइल और गलत खानपान के कारण लोगों के शरीर में कोलेस्ट्रोल बढ़ने लगता है। बाहर के जंक फूड खाने की लत भी आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। बैड कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करना हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है। क्योंकि इसके कारण से ह्रदय रोगों का प्रमुख कारण है। शरीर से बैड कोलेस्ट्रोल को कम करने के लिए रोजाना इन 3 आसान काम करने से एक महीने बैड कोलेस्ट्रोल कम कर सकते हैं।

रेगुलर एक्सरसाइज करें

रोजाना सुबह उठकर रेगुलर एक्सरसाइज करने से बैड कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही सुबह 30 मिनट के लिए चलने, दौड़ने, या योग करने का व्यायाम कर सकते हैं। रोजाना रूटीन में नियमित रुप से एक्सरसाइज करने से बैड कोलेस्ट्रोल कम हो सकता है।

हेल्दी ब्रेकफस्ट करें

मोर्निंग में ब्रेकफस्ट करना सबसे अच्छा और हेल्दी माना जाता है। आप नाश्ते में ओटमील, दालिया या फलों का सेवन कर सकते हैं। क्योंकि इनमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होता है, जो बैड कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है।

खूब पानी पिएं

रोजाना सुबह उठकर पानी पीना शुरु कर दीजिए। ऐसा करने से बैड कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद मिलती है। पानी पीने से शरीर में ब्लड का संचार बेहतर होता है और बैड कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद मिलती है। जितना ज्यादा आप पानी पीएंगे उतना ही आपको फायदा मिलेगा। बता दें कि पानी आपके ब्लड फ्लो को बेहतर रखता है।

नए साल में एन्जॉय करना चाहती हैं मदरहुड तो इन बातों का रखें खास ख्याल, कंसीव करने में नहीं होगी मुश्किल

अगर आप भी नए साल में मदरहुड को वेलकम करना चाहती हैं और कंसीव करने की प्लानिंग कर रही हैं, तो आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि कंसीव करने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

नए साल में हम सभी की कुछ न कुछ प्लानिंग जरूर होती है। यह प्लानिंग घर, शादी, करियर या फिर किसी अन्य चीज से भी जुड़ी हो सकती है। वहीं कई कपल्स नए साल में पेरेंटहुड में कदम रखने की प्लानिंग करते हैं। शादी के बाद कपल आपसी सहमति से फैमिली प्लानिंग करते हैं। हालांकि यह प्लानिंग और वक्त सभी के लिए अलग-अलग हो सकता है। ऐसे में आप जब भी प्रेग्नेंसी की प्लानिंग करें, तो सबसे पहले कपल को अपने डॉक्टर्स से संपर्क जरूर करना चाहिए। जिससे की कंसीव करने में कोई मुश्किल न आए।

बता दें कि फर्टिलिटी मजबूत होती है, तो प्रेग्नेंसी की जर्नी काफी आसान हो जाती है। वहीं कंसीव करने की प्लानिंग करने से पहले आपको अपने लाइफस्टाइल और डाइट में बदलाव करे चाहिए। अगर आप भी नए साल में मदरहुड को वेलकम करना चाहती हैं और कंसीव करने की प्लानिंग कर रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कंसीव करने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कंसीव करने से पहले इन बातों का रखें खास ख्याल

एक्सपर्ट के अनुसार, जो भी कपल कंसीव करने की प्लानिंग कर रहे हैं। उनको अपनी फिजिकल हेल्थ पर ध्यान देना शुरूकर देना चाहिए। फिजिकली फिट रहने के लिए आप सप्ताह में कम से कम 300 मिनट एक्सरसाइज जरूर करें। इससे आपको वेट भी कंट्रोल में रहेगा।

आप रनिंग, योगा, स्ट्रेचिंग, वॉकिंग, जॉगिंग, साइकलिंग या स्वीमिंग को भी अपने डेली रूटीन का हिस्सा बना सकती है।

कैफीन ड्रिंक्स आदि का सेवन कम से कम करना चाहिए। वहीं स्मोकिंग और एल्कोहल आदि से भी दूरी बनाकर चलें।

रात में सोने से करीब 2-3 घंटे पहले डिनर कर लें।

इसके साथ ही रोजाना कम से कम 8 घंटे की अच्छी और गहरी नींद जरूर लें।

अपनी डाइट में घी, दूध, चावल, बादाम और मूंग दाल आदि को शामिल करना चाहिए। क्योंकि यह चीजें स्पर्म और एग क्वालिटी दोनों को सुधारती हैं।

कपल एक-दूसरे को समझने की कोशिश करें और एक-दूसरे के साथ अधिक वक्त बिताने का प्रयास करें। इस दौरान स्ट्रेस न लें, क्योंकि यह मेंटल हेल्थ के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इसकी वजह से कई बार कंसीव करने के चांसेज पर भी असर होता है।

सोने जाने के आधे घंटे पहले सभी गैजेट्स को पूरी तरह से अवॉइड करें।

सप्ताह में कम से कम 3 बार आप वह काम करें, जो आपको और आपके कार्टनर को पसंद हो। इससे भी मेंटल हेल्थ में सुधार हो सकता है।

इसके साथ ही रोजाना मेडिटेशन जरूर करें। मेडिटेशन करने से एंग्जायटी, डिप्रेशन और स्ट्रेस को कम करने में सहायता मिलती है।

बान स्तंभ के बारे में रहस्यमई जानकारी

यह सोमनाथ मंदिर की दीवार पर बना है। इसका मतलब है कि तीर की दिशा में मंदिर से दक्षिणी ध्रुव तक कोई पृथ्वी भू-क्षेत्र नहीं है, अर्थात समुद्र है।

ये वो समय है जब ना कोई उपग्रह था, ना कोई नेविगेशन, ना कोई जीपी था। हमारे सनातन धर्म में हमारे सनातन पूर्वजों द्वारा अखंडित भारत में शिक्षा दी गयी थी।

बान स्तंभ = तीर स्तंभ। सोमनाथ मंदिर में कब से खड़ा है कहना मुश्किल है। यह बाण स्तंभ कितना पुराना है यह बताना संभव नहीं है। पोल पर यह इस प्रकार लिखा गया है: ₹असमुद्रान्त के दक्षिणी ध्रुव तक अप्रचलित प्रकाशमार्ग₹ अर्थात - इस बिंदु से दक्षिणी ध्रुव तक सीधी रेखा में कोई बाधा नहीं है। आधुनिक विज्ञान ने आकलन किया है कि निश्चित रूप से इस रास्ते में जमीन का कोई टुकड़ा नहीं है। यह प्राचीन सनातन ज्ञान का अद्भुत और अति शक्तिशाली सूचक है। उस समय जब विश्व केवल जीना सीख रहा था; हमारे सनातनी पूर्वजों ने विज्ञान में उनकी प्रगति को दर्शाता एक अनोखा स्थान पाया था ।यह सिद्ध करता है कि हमारे प्राचीन सनातनी राज्य जंब्यदीपम या भारतम में वैज्ञानिक ज्ञान की समृद्ध विरासत है।

सोमनाथ मंदिर से समुद्र के मार्ग से दक्षिण की ओर यात्रा शुरू करें तो दक्षिण ध्रुव यानि अंटार्कटिका तक पहुंचने तक आपको किसी भी भूमि से मुलाकात नहीं होगी। दक्षिणी ध्रुव की ओर निकटतम भूमि लगभग 9936 किमी दूर है। मतलब कि संस्कृत कविता एक वास्तविक तथ्य का प्रतिनिधित्व करती है ।इसका मतलब यह है कि हमारे पूर्वजों ने यह ज्ञान प्राप्त किया था कि पृथ्वी गोल है, और न केवल यह ज्ञान है कि पृथ्वी का दक्षिणी ध्रुव है और स्पष्ट रूप से उत्तरी ध्रुव भी है। लेकिन उन्हें त्रिकोणमिति, अर्सिटेचचर, खगोलीय विज्ञान आदि का उन्नत ज्ञान भी दिखाई दिया।

बाण स्तंभ दक्षिणी ध्रुव के उत्तर में भूमि के पहले बिंदु के रूप में अपने स्थान की पहचान करना अभी तक प्राचीन भारत के खगोल विज्ञान, भूगोल, गणित और वास्तव में समुद्री विज्ञान के ज्ञान का एक और उदाहरण है और इसलिए हमारी समृद्ध विरासत का एक तत्व बनता है ।सोमनाथ मंदिर का इतिहास भक्ति, चुनौतियों और शक्ति की कहानी बताता है। मान्यता के अनुसार, यह सबसे पहले सोने में बनाया गया था चंद्रमा भगवान सोमा ने ।अपने पूरे इतिहास में, मंदिर का कई बार पुनर्निर्माण किया गया है, 11 वीं शताब्दी में गजनी के महमूद द्वारा नष्ट होने से लेकर भारतीय स्वतंत्रता

एंड्रॉयड यूजर्स के लिए गूगल लाया नया फीचर, अब पासवर्ड पता होने पर भी अनलॉक नहीं होगा फोन, जानें पूरी जानकारी

दरअसल, गूगल ने एंड्रॉयड फोन्स को नया फीचर दिया है। इस फीचर का नाम आइडेंटिटी चेक रखा गया है। ये फीचर एक एक्स्ट्रा सिक्योरिटी लेयर एड करेगा और फोन चोरी होने की स्थिति में यूजर्स को पूरी सुरक्षा मिलेगी।

अगर आपको भी फोन कभी चोर या खो जाए तो फिर कोई भी अंजान व्यक्ति आपका फोन नहीं चुरा सकता फिर चाहे उसे आपका पासवर्ड ही क्यों ना पता हो। जी हां अगर आप एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल करते हैं तो ये खबर आपके लिए ही है। दरअसल, गूगल ने एंड्रॉयड फोन्स को नया फीचर दिया है। इस फीचर का नाम आइडेंटिटी चेक रखा गया है। ये फीचर एक एक्स्ट्रा सिक्योरिटी लेयर एड करेगा और फोन चोरी होने की स्थिति में यूजर्स को पूरी सुरक्षा मिलेगी।

नए फीचर का फायदा तब मिलेगा, जब यूजर्स के पासकोड, पिन या पासवर्ड का एक्सेस फोन चोरी करने वाले के पास हो। आइडेंटिटी चेक के साथ यूजर्स को सेंसिटिव डिवाइस सेटिंग्स या अकाउंट सेटिंग्स में बदलाव के लिए पहले फिंगरप्रिंट्स या फिर फेस आईडी जैसी बायोमैट्रिक्स एंटर करने होंगे। इस तरह यूजर्स का डाटा पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। इसके अलावा थेफ्ट डिटेक्शन लॉक और ऑफलाइन डिवाइस लॉक जैसे फीचर्स भी फोन में शामिल होंगे।

सामने आया है कि नया आइडेंडिटी चेक फीचर तब एक्टिव होगा, अगर यूजर किसी ट्रस्टेड लोकेशन से बाहर फोन यूज करता है। आसानी से समझें तो आपकी ट्रस्टेड लोकेशन आपका घर या ऑफिस हो सकता है और अगर इन लोकेशंस के अलावा कहीं और आपके फोन की अकाउंट और अन्य सिक्योरिटी सेटिंग्स में बदलाव की कोशिश की जाएगी और एक्स्ट्रा लेयर लागू होगी। इस फीचर पर लंबे समय से काम किया जा रहा था और इसके संकेत पहले भी मिले थे।

फिलहाल नया फीचर चुनिंदा एंड्रॉयड डिवाइसेज के लिए रोलआउट किया जा रहा है। जो एंड्रॉइड 15 ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम कर रही हैं। संभव है कि शुरुआती टेस्टिंग के बाद बाकी डिवाइसेज को भी इनका ऐक्सेस दिया जाए। फिलहाल सभी एंड्रॉयड यूजर्स को इंतजार करना होगा। जरूरी नहीं है कि पुराने एंड्रॉयड वर्जन पर काम करने वाले डिवाइसेज को भी इनका फायदा दिया जाए लेकिन कंपनी ने इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

स्किन के लिए गुणकारी है पत्थरचट्टा, जानें कैसे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं

स्किन के लिए जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए अक्सर हम कई तरह के घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप भी अपनी स्किन को हेल्दी रखना चाहते हैं, तो पत्थरचट्टा की पत्तियों का भी प्रयोग कर सकते हैं, आइए आपको बताते हैं कैसे इस्तेमाल करें।

खराब जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से है कई सारी समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने के लिए महिलाएं महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का प्रयोग कर सकते हैं। आमतौर पर कई महिलाएं पार्लर जाकर मेकअप या स्किन ट्रीटमेंट स्किन को स्वस्थ रखने के लिए किया जा सकता है, इसमें पत्थरचट्टा भी शामिल है। स्किन से जुड़ी समस्याओं से बचाव या राहत का लिए आप अपने स्किन केयर रुटीन में पत्थरचट्टा भी यूज कर सकते हैं। पत्थरचट्टा की पत्तियां एक्ने से राहत दिलाने में मदद करती है। स्किन की एलर्जी कम होती है।

पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं

पत्थरचट्टा की पत्तियां में फ्लेवोनोइड्स, एल्कलॉइड्स और ग्लाइकोसाइड्स समेत कई बायोएक्टिव कंपाउंड्स पाए जाते हैं। यह आपकी स्किन पर एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव पैदा करते हैं, जिससे खुजली जैसी समस्या से राहत मिल सकती है। आइए आपको बताते हैं कैसे इसका प्रयोग करें।

- पत्थरचट्टा की पत्तियों को कुचलकर थोड़ा सा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपनी स्किन के प्रभावित त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से अपना मुंह धो लें।
- पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल करके आप फेस मास्क के रुप में भी यूज कर सकते हैं। इन पत्तियों का फेस मास्क बनाने के लिए पहले आप इन्हें अच्छे तरीके से ग्राइंड कर लें या किसी चीज से पीस लें और फिर अपने चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद चेहरा धो लें।

ई-बस, दुर्घटना बीमा से लेकर रिवर फ्रंट तक; BJP के संकल्प पत्र पार्ट-3 में दिल्ली के लिए क्या-क्या?

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने संकल्प पत्र का तीसरा भाग जारी कर दिया है। गृहमंत्री अमित शाह ने तीसरे भाग को जारी किया है। भाजपा ने इससे पहले दिल्ली की जनता के लिए कई बड़ी योजनाओं का एलान किया था जिसमें दिल्ली के जरूरतमंद छात्रों को केजी से पीजी तक निशुल्क शिक्षा का वादा किया था। आगे विस्तार से पढ़िए पूरी खबर।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा, BJP) ने आज शनिवार को अपने संकल्प पत्र का तीसरा पार्ट जारी कर दिया है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीसरा पार्ट जारी किया है।

बीजेपी का संकल्प पत्र पार्ट- 3

- मजदूरों को पांच लाख का दुर्घटना बीमा देंगे।
- दिल्ली में 13 हजार नई इलेक्ट्रिक बस लाएंगे।
- दिल्ली के 50 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे।
- साबरमती रिवर फ्रंट की यमुना का विकास करेंगे।
- पांच साल में दिल्ली की समस्या को खत्म करेंगे।
- 20 लाख युवाओं के लिए रोजगार पैदा करेंगे।
- 1700 अनधिकृत कॉलोनियों को मालिकाना हक देंगे।
- दिल्ली में पांच लाख का इलाज फ्री देंगे।
- 13 हजार सील की गई दुकानों को दोबारा खोला जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा की परंपरा है कि चुनाव को गंभीरता से लेती है। भाजपा का संकल्प पत्र विश्वास और किए जाने वाले कार्यों की सूची है। नरेंद्र मोदी के आने के बाद राजनीति में नई परंपरा आई। कहा कि प्रत्येक राज्य में भाजपा ने अपने वादे पूरे किए हैं।

केजरीवाल अपने वादे पूरे नहीं करते: अमित शाह

उन्होंने कहा कि महिलाओं, गरीब, युवा, झुग्गियों व्यापारियों से चर्चा कर संकल्प पत्र तैयार किया गया। वादे पूरा नहीं करने वाले देखे हैं। केजरीवाल वादे करते हैं, लेकिन पूरे नहीं करते हैं। फिर एक झूठ के पुलिंदे के साथ आते हैं। मैंने अपने जीवन में इतनी दृढ़ता से झूठ बोलने वाला व्यक्ति नहीं देखा।

केजरीवाल ने करोड़ों का बंगला लिया: अमित शाह

बंगला नहीं लेने की बात कर बंगला लिया। शीशमहल बना लिया। अन्ना के आंदोलन में सादगी की बात कही थी लेकिन, करोड़ों का बंगला बनाया। सार्वजनिक जगह से शराब के ठेके बंद कराने का वादा किया, लेकिन मंदिर और गुरुद्वारों के पास खोल दिए। करोड़ों का घोटाला किया। पहली बार शिक्षा मंत्री ने घोटाला किया है।

यमुना साफ कर डुबकी लगाने का वादा किया लेकिन, जनता इसकी राह देख रही है। यदि यमुना में नहीं लगाना चाहते तो संगम में लगा लें, झूठ बोलने के पाप धूल जाएंगे।

आप सरकार ने किए कई घोटाले: अमित शाह

विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधा देने की जगह मोहल्ला क्लीनिक बनाकर ठग दिया। घोटाला किया। 24 घंटे स्वच्छ जल देने का वादा पूरा नहीं किया। प्रदूषण बढ़ने पर दूसरों पर दोष। भ्रष्टाचार हटाने का वादा करने वाले खुद और उनके मंत्री जेल गए। बेल पर बाहर आने पर अपने को दोष मुक्त बता रहे हैं। उन्हें याद रखना चाहिए कि अभी मुकदमा चलना है।

केजरीवाल की आय कैसे बढ़े इसके लिए घोटाला किया। जल बोर्ड, डीटीसी, स्कूल रूम, पैनिक बटन, शीशमहल, वक्फ बोर्ड, मोहल्ला क्लीनिक घोटाला सहित कई घोटाले किए। प्रचार पर इतना खर्च किया कि सफाई के लिए पैसे नहीं बचे।

नरेंद्र मोदी के काम

45000 सड़कें
15000 रेल
21000 एयरपोर्ट
73 हजार को मुफ्त राशन
एक लाख स्वनिधि योजना, सहित कई काम किए।

यदि मोदी सरकार ने काम नहीं किया होता तो दिल्ली रहने लायक नहीं रह जाती। भाजपा की संस्कृति जो कहते हैं वो करते हैं। आप वादे कर भूल जाती है।

जनकल्याणकारी योजना बंद नहीं होगी: अमित शाह

चुनाव के लिए झूठ फैलाया जा रहा है कि भाजपा आने पर योजनाएं बंद कर देगी। इतना झूठा प्रचार नहीं देखा। इस प्रकार की झूठ की राजनीति नहीं करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि कोई भी जनकल्याणकारी योजना बंद नहीं होगी। मोदी की गारंटी पत्थर की लकीर है। महिलाओं को याद रखना चाहिए कि वादे सभी करेंगे लेकिन, पैसे सिर्फ भाजपा देगी। अन्य राज्यों में भाजपा वादे के अनुसार महिलाओं को प्रति माह पैसे दे रही है।

धोखा देने वालों से निजात पाना सबसे बड़ा मुद्दा: अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि भ्रष्टाचार विहीन राज्य सरकार देंगे। केजरीवाल अपनी विफलता छिपाने के लिए पूर्ण राज्य के दर्जे की बात करते हैं। धोखा देने वालों से निजात पाना सबसे बड़ा मुद्दा है।

बता दें कि इससे पहले भाजपा दिल्ली की जनता के लिए दो पार्ट जारी कर चुकी है। जिनमें दिल्ली वासियों के लिए चुनाव जीतने के बाद कई बड़ी योजनाओं को लागू करने का एलान कर चुकी है।

भाजपा का संकल्प पत्र पार्ट-2

- सरकारी शिक्षण संस्थानों में दिल्ली के जरूरतमंद छोत्रों को केजी से पीजी तक निश्शुल्क शिक्षा।
- युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15 हजार रुपये की वित्तीय सहायता और दो बार के आवेदन शुल्क परीक्षा के लिए यात्रा खर्च की प्रतिपूर्ति।
- तकनीकी और व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के लिए अनूसिचत जाति के छात्रों को डॉ. बीआर आंबेडकर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्रति माह एक हजार रुपये।
- ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए कल्याण बोर्ड, 10 लाख का जीवन बीमा, पांच लाख का दुर्घटना बीमा, वाहन बीमा व बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति।
- घरेलू सहायकों के लिए कल्याण बोर्ड, 10 लाख का जीवन बीमा, पांच लाख का दुर्घटना बीमा, वाहन बीमा व बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति और महिलाओं को छह माह का भुगतान सहित मातृत्व अवकाश।
- प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों की संख्या दोगुनी की जाएगी।

भाजपा का संकल्प पत्र-1

- सबसे बड़ी घोषणा महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की मासिक सहायता देना है।
- भाजपा ने 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया।

अंतिम चरण में सराय काले खां स्टेशन का काम, यहां तक कब दौड़ेगी ट्रेन? मिलेंगी खास सुविधाएं

परिवहन वियेष न्यूज

नई दिल्ली, दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर सबसे बड़े सराय काले खां स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन दोनों स्टेशनों के बीच ट्रैक बिछाने का कार्य भी अंतिम चरण में पहुंच गया है।

दिल्ली सेक्शन में कुल 14 किमी ट्रैक (अप और डाउन दोनों लाइनों और विस्तारित खंड सहित) खंड है, जिसमें में से 12 किमी से अधिक ट्रैक पहले ही बिछाया जा चुका है।

महीने के अंत तक इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन भी शुरू होने की उम्मीद

इसके साथ ही इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन का काम भी अपने अंतिम चरण में है, जिसमें न्यू अशोक नगर और सराय काले खां स्टेशनों के बीच के हिस्से में ओएचई मास्ट और केबल लगाए जा रहे हैं। इस महीने के अंत तक इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन भी शुरू होने की उम्मीद है।

स्टेशन की छत का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा

स्टेशन में मोरपंखी नीले और बेज रंग की फसाड बनाई जा रही है। इसके साथ ही स्टेशन की छत का निर्माण कार्य भी तेजी से प्रगति कर रहा है। स्टेशन के नीचे प्रवेश और निकासी गेट्स के पास पिक-अप और ड्राप-आफ जोन पर भी बनाए जा रहे हैं।

एलिवेटेड है सराय काले खां स्टेशन

सराय काले खां एक एलिवेटेड स्टेशन है। यहां एक साथ 40 से अधिक वाहनों को समायोजित करने में सक्षता होगी। इसके साथ ही यात्रियों वाहनों के संपर्क में आने से बचाने के लिए अनुकूल पैदल मार्ग भी विकसित किए जा रहे हैं, जिसकी मदद से स्टेशन में यात्रियों की सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित होगी।

इसके अतिरिक्त, स्टेशन के नीचे 15 से अधिक बसों की क्षमता वाला एक सिटी बस इंटरचेंज भी विकसित किया जा रहा है, जो एक सुव्यवस्थित और कुशल आवागमन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगा।

280 मीटर लंबा फुट ओवर ब्रिज

इस स्टेशन पर बनाया जा रहा 280 मीटर लंबा फुट ओवर ब्रिज (एफओबी), स्टेशन की खास विशेषताओं में से एक है, जो सराय काले खां स्टेशन को भारतीय रेलवे के हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से जोड़ता है। इस एफओबी में छह ट्रैवेलेटर होंगे जो परिवहन साधनों के बीच यात्रियों की सुगम और सहज आवाजाही सुनिश्चित करेंगे।

14 लिफ्ट और 18 एस्केलेटर

इस स्टेशन को उच्च यात्री संख्या को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें विभिन्न स्तरों पर सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पांच प्रवेश-निकास द्वार, कई सीढ़ियां, 14 लिफ्ट और 18 एस्केलेटर हैं। 215 मीटर लंबाई, 50 मीटर चौड़ाई और 15 मीटर ऊंचाई में फैला स्टेशन का विस्तृत लेआउट प्रभावी भीड़ प्रबंधन की सुविधा प्रदान करेगा।

शराब घोटाला मामले में केजरीवाल और सिसोदिया को मिली बड़ी राहत, राउज एवेन्यू कोर्ट ने दे दी खास छूट

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक को व्यक्तिगत रूप से पेश होने से एक दिन की छूट दी है। तीनों नेता आगामी विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार में व्यस्त हैं। मामले की अगली सुनवाई 3 फरवरी 2025 को होगी। इस बार चुनाव में भी भ्रष्टाचार बड़ा मुद्दा है।

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आप नेता मनीष सिसोदिया व दुर्गेश पाठक को आबकारी मामले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में बड़ी छूट दी है।

अदालत ने अपने आदेश में आम आदमी पार्टी के तीनों नेताओं को केस की सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी, क्योंकि वे आगामी विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार कर रहे थे।

अगली सुनवाई 3 फरवरी को होगी

विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने तीनों को एक दिन की छूट दी। मामले की अगली सुनवाई तीन फरवरी 2025 को होगी।

मनी लांड्रिंग का ये मामला उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा आबकारी नीति के कार्यान्वयन में अनियमितताओं की जांच की सिफारिश करने के बाद दर्ज किए गए सीबीआइ मामले से सामने आया था।

सीबीआइ और ईडी के अनुसार, आबकारी नीति में संशोधन करते समय अनियमितताएं की गई और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया।

Delhi Chunav से पहले धड़ाधड़ एक्शन, 200 से ज्यादा अपराधी दबोचे; भारी मात्रा में बरामद हुए अवैध हथियार

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली पुलिस ने विधानसभा चुनाव से पहले अपराध पर बड़ी कार्रवाई की है। 7 से 24 जनवरी के बीच 200 से अधिक बदमाश शराब ड्रग्स और हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से विभिन्न तरह की ड्रग्स शराब और अवैध हथियार जब्त किए गए हैं। आगे विस्तार से पढ़िए पकड़े गए बदमाशों के बारे में।

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव शांति पूर्वक तरीके से संपन्न कराने के लिए मध्य जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत सात से 24 जनवरी के बीच 200 से अधिक बदमाश, शराब, ड्रग्स व हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से विभिन्न तरह की ड्रग्स, शराब व अवैध हथियार जब्त किए गए हैं।

डीसीपी मध्य जिला एम हर्ष वर्धन का कहना है कि विधान सभा चुनाव की तैयारी में मध्य जिला पुलिस ने चुनाव के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अपराध और अवैध गतिविधियों पर व्यापक कार्रवाई की है।

कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई

चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित आदर्श आचार संहिता के अनुसार जिला पुलिस ने उत्पाद शुल्क अधिनियम, एनडीपीएस अधिनियम, जुआ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम सहित कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

शराब तस्करों के खिलाफ 46 कार्रवाई

मध्य जिला पुलिस ने चुनाव आचार संहिता लगने के बाद शराब का अवैध धंधा करने वाले 45 लोगों को गिरफ्तार उनके कब्जे से 10,395 क्वार्टर अवैध शराब, 84,320 रुपये नकद, चार कारें और एक अन्य वाहन बरामद किया। ये कार्रवाई अवैध शराब की तस्करी और बिक्री पर नकेल कसने के मकद से की गई।

चार ड्रग्स तस्कर पकड़े

मध्य जिला पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत चार मामले दर्ज कर चार तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1.922 किलो गांजा और 0.0226 किलो स्मैक जब्त की।

जुआ खेलते 41 गिरफ्तार

पुलिस ने जुआ अधिनियम के तहत आठ मामले दर्ज कर 41 लोगों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 92,960 रुपये जब्त किए गए।

यह भी पढ़ें- Narnaul: 42 दिन से फ्रीजर में रखा शव, उठने लगी दुर्गंध; अंतिम संस्कार के लिए क्यों नहीं मान रहे पिता?

अवैध हथियारों के साथ 25 बदमाश गिरफ्तार

मध्य जिला पुलिस सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के मकसद से 25 बदमाशों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से नौ पिस्टल व कट्टा, 14 कारतूस और 16 चाकू बरामद किए गए।

429 वाहन जब्त

मध्य जिला पुलिस ने विभिन्न तरह के आचार संहिता के उल्लंघन में 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। 66 डीपी एक्ट के तहत 429 मोटर वाहन जब्त किए गए और 47 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली के वायु, जल प्रदूषण के लिए केजरीवाल जिम्मेदार - संदीप दीक्षित

सुषमा रानी

नई दिल्ली। 25 जनवरी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवालों को सीवर की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में नए सीवर डलवाने के बहुत काम किए हैं। कुछ इलाके बचे हैं। अगले 5 साल में दिल्ली के सभी इलाकों की सीवर लाइन ठीक करेंगे। सभी पुरानी पाइप लाइनों को युद्ध स्तर पर बदला जाएगा, ताकि लोगों को सीवर की समस्या से छुटकारा मिल सके। हमने लगभग सभी कॉलोनियों में सीवर की लाइन बिछाई है, अब इसे घरों से जोड़ा जा रहा है। दिल्ली की जनता से मेरी अपील है कि अगर आपके इलाके में सीवर की समस्या है तो घबराएं नहीं, सरकार में आने के बाद हम इस पर तेजी से काम करेंगे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि जब 2015 में हमारी पहली बार सरकार बनी थी, तब हमें कई समस्याएं विरासत के तौर पर मिली थीं। उनमें से एक बड़ी समस्या सीवर की थी। दिल्ली में 1,792 कच्ची कॉलोनियों में हैं। इन कॉलोनियों में 2015 से पहले किसी भी तरह के विकास की अनुमति नहीं थी, क्योंकि सुप्रीट कोर्ट और केंद्र सरकार के आदेश थे। हमने उन सभी अड़चनों को पार करके सारी कच्ची कॉलोनियों के अंदर काम करना शुरू किया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इन कच्ची कॉलोनियों में सीवर की कोई पाइपलाइन नहीं थी। इसलिए सारा सीवर नालियों और गलियों के अंदर बहता था। लोगों का जीवन नर्क था। हमने पिछले 10 साल में लगभग सभी कॉलोनियों में बड़े स्तर पर सीवर की पाइपलाइन डलवाई हैं। पाइपलाइन डालने के बाद अब हर घर को सीवर से जोड़ने का काम चल रहा है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दूसरी तरफ, जिन कॉलोनियों में सीवर की पाइपलाइन थीं, वह बहुत पुरानी हो गई हैं। मुझे आज कई जगहों से शिकायत सुनने को मिलती हैं कि सीवर ओवरफ्लो और लीक कर रहा है। सीवर जाम हो गया है। सीवर का पानी, पीने के पानी के साथ मिक्स हो रहा है। मैंने तय किया है कि सरकार बनने के बाद दिल्ली में जहां भी सीवर पाइपलाइन बैठ गई है, लीक कर रही है या खराब हो गई है, उन पुरानी पाइपलाइनों को युद्धस्तर पर बदला जाएगा ताकि लोगों को सीवर की वजह से होने

वाली समस्याओं से छुटकारा दिलाया जा सके।

अरविंद केजरीवाल ने जनता से कहा कि अगर आपके भी इलाके में सीवर की समस्या है तो घबराना मत। हम सरकार बनने के बाद आपके क्षेत्र में भी सीवर पाइपलाइन बदल देंगे। सीवर की सफाई करवाएंगे ताकि सभी को सीवर की गंदगी से मुक्ति मिल सके।

हिंदू भक्त पेरिका सुरेश ने महाकुंभ, संगम प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का किया सम्मान

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयास से प्रयागराज महाकुंभ को पूरी सुविधाओं और आध्यात्मिक वातावरण से सजाया गया है। हृदय सम्राट और सनातन धर्म प्रचारक पेरिका सुरेश ने प्रयागराज महाकुंभ में भाग लिया, जहां 1008 महा मंडलेश्वरों को सम्मानित किया गया और 5000 साधुओं और संतों को कंबल वितरित किए गए। तेलंगाना के सनातन धर्म प्रेमी पेरिका सुरेश सदैव हिंदू धर्म के प्रसार के लिए समर्पित रहे हैं। धर्म प्रेमी श्री सुरेश ने बताया कि अनंत श्री विभूषित शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी, ज्योतिष पीठ, बद्रीनाथ (उत्तराखंड), शारदा पीठ, द्वारका (गुजरात)) गया में अपना 72वाँ वर्ष 'संन्यास दीक्षा' पूरा किया। श्री सुरेश ने कहा कि स्वामी जी इतिहास के एकमात्र ऐसे शंकराचार्य हैं, जिनकी दो दिव्य पीठ हैं और उन्होंने हिंदू धर्म एवं वैदिक संस्कृति के प्रसार में अतुलनीय योगदान दिया है.
पारिका सुरेश ने कहा कि महाकुंभ में शामिल होकर मेरा जीवन धन्य हो गया। उन्हें शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती का भी आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री सुरेश ने कहा कि संतों की संगति से न सिर्फ पुण्य मिलता है, बल्कि जीवन की दशा और दिशा दोनों बदल जाती है. उन्होंने सभी सनातन धर्म प्रेमियों से अनुरोध किया कि वे महाकुंभ में आकर अधिक से अधिक लोगों की मदद करें और पुण्य के भागी बनें।

नोएडा के चार लाख लोगों को मिलेगी बड़ी राहत, नोएडा प्राधिकरण ने 10 करोड़ के प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

शहदरा नाले पर दो नए पुलों के निर्माण से सलारपुर और आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले चार लाख लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। जर्जर पुलों की जगह बनने वाले ये नए पुल आवागमन को सुरक्षित और सुगम बनाएंगे। नोएडा प्राधिकरण ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है और 10 करोड़ रुपये का बजट भी आवंटित किया है। पुलों का निर्माण उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा किया जाएगा।

नोएडा। सलारपुर गांव व उसके आसपास बसी कालोनियों में बसे चार लाख लोगों के लिए राहत की खबर है कि शहदरा नाले को पार करने के लिए उन्हें जान जोखिम में डालकर अब जर्जर पुल से आवागमन नहीं करना होगा। नोएडा प्राधिकरण ने शहदरा नाले पर दो नये पुल बनवाने का फैसला लिया है। इसकी सैद्धांतिक मंजूरी संग 10 करोड़ रुपये का निर्माण बजट भी प्राधिकरण सीईओ डा. लोकेश एम ने आरक्षित कर दिया है। जल्द ही निर्माण कार्य को लेकर उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के साथ नोएडा प्राधिकरण अनुबंध करेगा। इसमें निर्माण कार्य सिंचाई विभाग कराएगा। उस पर आने वाला खर्च नोएडा प्राधिकरण वहन करेगा।

बेहद जर्जर हो चुके हैं पुल

(पुल बेहद जर्जर हो चुके हैं। जागरण फोटो)

बता दें कि शहदरा नाले पर दो पुल पहले से बने हैं, जो बेहद जर्जर हो चुके हैं। विगत वर्ष में कई बार यहां कार नाले में गिर चुकी हैं और कई लोग जान गंवा चुके हैं। यह क्षेत्र औद्योगिक सेक्टर फेज टू के सबसे निकट है। इसलिए इस पुल से प्रतिदिन सुबह आठ से साढ़े नौ और शाम छह से साढ़े सात बजे तक भारी यातायात जाम रहता है। इससे पुल पर हादसे का खतरा बढ़ जाता है।

इस गंभीर समस्या को पिछले दिनों भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने प्रमुखता से प्राधिकरण सीईओ डा. लोकेश एम के समक्ष उठाया था। इसके बाद सीईओ डा.लोकेश एम ने अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री समेत सिविल विभाग उपमहाप्रबंधक विजय कुमार रावल, जल-सीवर व विद्युत यांत्रिकी विभाग महाप्रबंधक आरपी सिंह, जनस्वास्थ्य विभाग महाप्रबंधक एसपी सिंह के साथ सलारपुर गांव में किसानों के साथ पंचायत की।

सलारपुर की तमाम समस्याओं का निस्तारण शुरू

इसके बाद सलारपुर की तमाम समस्याओं का निस्तारण शुरू हुआ। चूंकि शहदरा नाला सिंचाई विभाग के अधीन है, इसलिए इस पर बनने वाले पुल को लेकर कवायद शुरू हुई। संबंधित अधिकारियों से पुल निर्माण का एस्टीमेट मांगा गया। बनने वाले दोनों नये पुल करीब 50-50 मीटर लंबे होंगे। इनका कैरिज-वे 7.5-7.5 मीटर चौड़ा होगा। कैरिज-वे के दोनों ओर दो-दो मीटर का फुटपाथ बनेगा, ताकि पुल पर वाहनों संग पैदल भी लोग आ-जा सकें। पुल निर्माण का लक्ष्य एक वर्ष है। हर पुल के निर्माण पर पांच-पांच करोड़ रुपये खर्च होंगे।

घरों पर बुलडोजर चलाने वाले अधिकारियों पर धड़ाधड़ एक्शन, 32 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

परिवहन विशेष न्यूज

दादरी। ग्रेटर नोएडा के जारचा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत खंडेरा गांव में गांव के कुछ लोगों ने जेसीबी मशीन से दलित असहाय लोगों के करीब आधा दर्जन से अधिक मकान तोड़कर बेघर कर दिया। दलित असहाय लोग मौके पर आरोपितों के सामने हाथ जोड़कर मकान न तोड़ने की गुहार लगाते रहे, लेकिन एक न सुनी। जेसीबी मशीन से करीब आधा दर्जन से अधिक मकान तोड़ दिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर 32 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यहां पर 40 साल से लोग कर रहे गुजर बसर

पुलिस के अनुसार खंडेरा निवासी नैपाल सिंह, महेश चंद, दिनेश आदि ने पुलिस को लिखित शिकायत देते हुए बताया की गांव में चार बीघा सरकारी जमीन हरिजन आबादी के लिए रिजर्व है। दलित व गरीब लोग करीब 40 वर्ष से अपना मकान बनाकर जीवन यापन कर रहे हैं। शुक्रवार को गांव के वीरेंद्र, नितेंद्र, निक्की, राकेश, रमेश, सुनील, कूड़े के अलावा 25 अज्ञात लोगों ने बिना किसी सरकारी आदेश के उनके मकानों को जेसीबी मशीन के जरिये ध्वस्त कर दिया है।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच की शुरू

मौके पर महिलाओं व बच्चों ने मकान तोड़ने का विरोध किया, तो उक्त लोगों ने उनके साथ मारपीट करत जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। मकान तोड़ने की सूचना मिलने पर मौजूदा प्रधान मौके पर पहुंचे, तो आरोपितों ने उनके साथ भी अभद्रता की। पीड़ितों का आरोप है कि उक्त लोग अपनी जमीन बताकर हरिजन आबादी के लिए छोड़ी गई जमीन को हड़पना चाहते हैं। दलित व गरीब लोगों के मकान टूटने की वजह से सर्दी के मौसम में पशु व मकान में रहने वाले लोग बेघर हो गए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा पंजीकृत करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

25 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आरोपी पक्ष ने बताया कि आरोप झूठे हैं। वह अपनी जमीन पर सफाई कराकर चारदीवारी करने गए थे। कोतवाली प्रभारी जारचा सुमनेश विकल ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर सात नामजद वीरेंद्र, नितेंद्र, निक्की, राकेश, रमेश, सुनील, कूड़े व 25 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। वहीं पर एक दूसरे मामले में गुरुग्राम में न्यू कॉलोनी मोड़ क्षेत्र में गुरुग्राम मेट्रोपालिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी कि जीएमडीए के डीटीपी एन्फोर्समेंट की टीम ने तोड़फोड़ किया। डीटीपी आरएस बाठ, एटीपी सतेंद्र आर्य, मांगेराम समेत कई पुलिस

हरियाणा के इस अस्पताल को मिला इको फ्रेंडली अवार्ड में पहला स्थान, अब मिलेगा लाखों का इनाम

गुरुग्राम के जिला अस्पताल ने एनक्वास सर्टिफिकेशन के बाद कायाकल्प श्रेणी में बेस्ट इको फ्रेंडली अस्पताल का अवार्ड जीता है। इस उपलब्धि के लिए अस्पताल को 10 लाख रुपये का पुरस्कार मिला है। अस्पताल ने ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है जिसमें सोलर पैनल एलईडी बल्ब बेहतर रेटिंग वाले इलेक्ट्रिक सामान प्लास्टिक प्रतिबंध रेन वाटर हार्वेस्टिंग और कूड़ा-कचरा प्रबंधन शामिल हैं।

गुरुग्राम। एनक्वास सर्टिफिकेशन मिलने के बाद अब कायाकल्प श्रेणी में इस वर्ष प्रारंभ हुए बेस्ट इको फ्रेंडली अस्पताल की श्रेणी में जिला अस्पताल प्रदेश में अव्वल आया हैं।

बुधवार शाम को इन अवार्ड की घोषणा हुई। इस अवार्ड (Eco Friendly Award) के तहत अस्पताल को 10 लाख रुपये की धनराशि मिलेगा। इसके अलावा कायाकल्प के तहत अस्पताल को दूसरे स्थान प्राप्त करते हुए तीन लाख रुपये जीते हैं।

डीएमएस डा. नीरज यादव ने बताया कि सरकार की ओर से स्वास्थ्य संस्थाओं को संक्रमण मुक्त बनाने के साथ बेहतर माहौल में मरीजों को इलाज उपलब्ध कराने के लिए कायाकल्प अवार्ड प्रदान किए जा रहे हैं।

इस वर्ष इस श्रेणी में इको फ्रेंडली अस्पताल को भी शामिल किया गया है। शासन की ओर से निर्धारित सभी मानकों को पूरा कर प्रदेश में सर्वाधिक अंक प्राप्त किया है। अस्पताल को 10 लाख रुपये की धनराशि प्रदान की जाती है।

ऊर्जा संरक्षण के लिए बेहतर उपाय

नागरिक अस्पताल में ऊर्जा संरक्षण पर व्यापक कार्य किया गया। जिस कारण प्रदेश का कोई अस्पताल अंकों में आसपास भी नहीं आ सका। अस्पताल में सोलर पैनल, एलइडी बल्ब, बेहतर रेटिंग इलेक्ट्रिक सामान, बिना प्रयोग के कंप्यूटर व विद्युत उपकरण बंद रखने, प्लास्टिक प्रतिबंधित, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, कूड़ा-कचरा प्रबंधन, धूम्रपान निषेध, हरा-भरा वातावरण, प्राकृतिक रोशनी का सदुपयोग आदि के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण का सफल उदाहरण प्रस्तुत कर किया है।

इन मानकों पर हुआ मूल्यांकन

कायाकल्प प्रतियोगिता में अस्पताल प्रबंधन, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, संक्रमण रोकथाम, सहगामी सुविधाएं, अभिलेखीकरण, स्टाफ ट्रेनिंग, मरीजों की देखभाल, उपचार की सुविधा, सामुदायिक सहभागिता आदि समेत करीब 100 बिंदुओं पर मूल्यांकन किया जाता है। इस दौरान अस्पताल में तैनात स्टाफ का साक्षात्कार भी लिया जाता है।

इन अस्पतालों को भी मिला स्थान

01 वें स्थान पर रहा जिले में सोहना का अस्पताल

08 वां स्थान पटौदी के अस्पताल ने पाया

52 वें स्थान पर रहा फरुखनगर

26 जनवरी से पहले दिल्ली और गाजियाबाद के स्कूलों को खालिस्तानी आतंकियों की धमकी, बच्चों को घरों में रहने को कहा

खालिस्तानी आतंकियों ने 26 जनवरी से पहले गाजियाबाद और दिल्ली के कई स्कूलों को धमकी भरे ईमेल भेजे हैं। ईमेल में अमेरिका और कनाडा में भारतीय दूतावासों को घेरने और राष्ट्रपति को झंडात्तोलन करने से रोकने की धमकी दी गई है। स्कूल प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मेल के आईपी एड्रेस की जांच शुरू कर दी है।

गाजियाबाद। खालिस्तानी आतंकियों ने एनएच-24 स्थित गुरूकुल स्कूल को धमकी भरा मेल भेजा है। मेल में 26 जनवरी को अमेरिका और कनाडा में भारतीय दूतावासों को घेरने और राष्ट्रपति को झंडोत्तोलन करने से रोकने का दावा किया गया है। स्कूल प्रबंधन की शिकायत पर वेव सिटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

गुरूकुल स्कूल को भेजा गया मेल अब्दुल अजीज के नाम से है। ई-मेल में दावा किया गया है कि खालिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने पर सवा लाख रुपये का ईनाम दिया जाएगा। खालिस्तान जनमत संग्रह दस्ता किसानों के सक्रिय समर्थन के साथ ट्रैक्टरों के साथ इंडिया गेट की घेराबंदी करेगा। दिल्ली के स्कूली बच्चों के लिए संदेश दिया गया है कि घर पर रहें, सुरक्षित रहें। मेल में कहा गया है कि मोदी के शासन का मतलब है रक्तपात और हिंसा। आपके बच्चों की सुरक्षा खतरे में है। अपने बच्चों की रक्षा करें।

वेव सिटी थाने में केस दर्ज

इसमें कहा गया है, ₹भारतीय सशस्त्र बल खालिस्तान जनमत संग्रह दस्ते के किसी भी शांतिपूर्ण असंतोष को कुलचने के लिए निर्णायक रूप से कार्य करेंगे जो पंजाब को हिंदुस्तान के कब्जे से मुक्त कराने के लिए अपने जीवन का बलिदान देने को तैयार होने का दावा करते हैं। यह मेल गाजियाबाद के स्कूल के साथ ही दिल्ली के कुछ अन्य स्कूलों को भी भेजा गया है। स्कूल प्रधानाचार्य गौरव वेदी की शिकायत पर वेव सिटी थाने में केस दर्ज किया गया है।

सूरजकुंड मेले में इस बार दो राज्यों की सांस्कृतिक धरोहर का संगम, थीम स्टेट को मिलेंगी 80 हट्स

फरीदाबाद। सात से 23 फरवरी तक लगने वाले 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में वीआईपी गेट के पास थीम स्टेट मध्य प्रदेश और ओड़िशा का पवेलियन बनाया जाएगा।

इन दोनों राज्यों के पवेलियन में देश-विदेश के पर्यटक वहां की सांस्कृतिक समृद्धि का नजारा कर पाएंगे। प्रत्येक थीम स्टेट को 40-40 हटस अलाट की जाएंगी। यह हटस थीम स्टेट की ओर से शिल्पियों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

हरियाणा पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ हुआ विचार विमर्श

मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग की टीम ने बुधवार शाम जब सूरजकुंड मेला परिसर का दौरा किया तो इस दौरान हरियाणा पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया गया।

इसके बाद थीम स्टेट पवेलियन की जगह तय की गई। वीआईपी गेट के पास ही मुख्य चौपाल है। इस चौपाल पर ही मेले के शुभारंभ से लेकर समापन तक प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम (Surajkund Crafts Mela) होते हैं।

1987 में पहली बार दो राज्यों को थीम स्टेट के रूप में जोड़ा गया

इन कार्यक्रमों में दोनों प्रदेशों के कलाकार अपनी प्रस्तुति से रंग जमाएंगे। वर्ष 1987 से शुरू हुए मेले में पहली बार दो राज्यों को थीम स्टेट के रूप में जोड़ा गया है। सांस्कृतिक पार्टनर के रूप में पूर्वोत्तर में शामिल असम, अरुणाचल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम की मेले में भागीदारी रहेगी।

सात देशों के एक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग संगठन बिम्सटेक को प्रमुख रूप से पहले ही जोड़ा है। इसमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड सदस्य हैं। पहले मेले से पार्टनर कंट्री के रूप में एक देश को जोड़ा जाता था।

सूरजकुंड के नोडल अधिकारी ने मेले को लेकर दी ये जानकारी

हमने ओडिशा और मध्य प्रदेश को थीम स्टेट के रूप में जोड़ा है। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ बातचीत हो चुकी है। जल्दी ही ओडिशा की टीम भी आने वाली है। दोनों प्रदेशों की शिल्प कला और सांस्कृतिक समृद्धि से अलग पहचान है। ऐसे में इस बार का मेला पिछली वर्षों की अपेक्षा अधिक सुंदर और विस्तृत होगा।_यूएस भारद्वाज, नोडल अधिकारी, सूरजकुंड

76 वाँ गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025-गज़ब का उत्साह-दुनियाँ देखेगी भारत की ताकत

26 जनवरी भारत को एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करने का प्रतीक है-26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ था

गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान के विशिष्ट महत्व की याद दिलाता है,जो हमारे अधिकारों और कर्तव्यों को परिभाषित करता है

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया वैश्विक स्तर पर दुनियाँ के कोने कोने में सुर्खियां बटोर रहे प्रयागराज महाकुंभ मेला जो 13 जनवरी से 26 फ़रवरी 2025 तक जारी रहेगा, जिसका अभूतपूर्व उत्साह अनेक देशों के सैलानी देखकर व दुनियां पूरी तरह हैरान है। इसी बीच 26 जनवरी 2025 को 76 वां गणतंत्र दिवस भी मनाया जा रहा है। समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो रहे हैं। इस बार पहली बार इंडोनेशिया का 352 सदस्यीय मार्चिंग और बैंड दल भी गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेगा। बता दें कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो 1950 में भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बने थे। गणतंत्र दिवस केसमारोह में हर साल बेहद ही सांस्कृतिक परेड होती है। इसमें भारत की विविधता की झलक दिखाई देती है। इस साल की थीम स्वर्णिम भारत -विरासत और विकास। यह थीम भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत और इसके निरंतर विकास की यात्रा पर जोर देती है। हर एक गणतंत्र दिवस पर एक चीफ गेस्ट भी होता है। इसमें राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री हो सकते हैं। इस खास मौके पर वतन पर मर-मिटने वाले वीर शहीदों को दिल से नमन किया जाता है। साथ ही देश के संविधान के बनाने में जिन महापुरुषों ने सहयोग किया उन्हें धन्यवाद दिया जाता है। इस खास मौके पर स्कूल, कॉलेज तो दफ्तरों में तरह-तरह के प्रोग्राम का आयोजन होता है। इसी बीच आम जनता भी शुभकामना संदेशों के जरिए अपनी देशभक्ति को दिखाती है। बड़े-बुजुर्ग लोग रिपब्लिक डे आने के पहले ही देशभक्ति के स्टेट्स लगाते हैं और युवा पीढ़ी को इस दिन के महत्व के बारे में समझाते हैं। चूँकि 26 जनवरी भारत को एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करने का प्रतीक है तथा 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ था व गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान के विशिष्ट महत्व की याद दिलाता है, जो हमारे अधिकारों का कर्तव्यों को परिभाषित करते हैं इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे 76वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 गज़ब का उत्साह दुनियाँ देखेगी भारत की ताकत।

साथियों बात अगर हम 26 जनवरी 2025 को सुबह 10:30 से शुरू कार्यक्रमों की करें तो,गणतंत्र दिवस की परेड 26 जनवरी 2025 को सुबह 10:30 बजे शुरू होगी। परेड दिल्ली में विजय चौक से शुरू होकर कर्तव्य पथ से होते हुए लाल किले तक जाएगी। वहीं हर साल की तरह इस वर्ष भी दिल्ली में गणतंत्र दिवस की परेड मुख्य आकर्षण रहेगी। गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान के आधिकारिक तौर पर लागू होने की वर्षगांठ है जिसे लोकतांत्रिक देश के अस्तित्व में आने के उपलक्ष्य में उत्सव की तरह मनाया जाता है। गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर भारत अपनी समृद्ध विरासत और विकास की यात्रा का उत्सव मना रहा है। जानकारी के मुताबिक, इस बार की परेड 90 मिनट में पूरी हो जाएगी, जिसकी शुरुआत 300 कलाकारों के साथ होगी और इस परेड में 18 मार्चिंग कंटिजेंट, 15 बैंड और 31 झांकियां शामिल होंगी। इस दौरान कुल 5,000 कलाकार कर्तव्य पथ पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। इस वर्ष भारत के विभिन्न राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्रालयों व विभागों की 31 झाकियां भाग लेंगी, जो स्वर्णिम भारत, विरासत और विकास पर आधारित होंगी। बता दें 26 जनवरी की तारीख अपने आप में बेहद खास है। यही वह दिन है जब भारत को एक लोकतांत्रिक, संप्रभु और गणतंत्र राष्ट्र घोषित किया गया था। यह दिन हर भारतवासी के लिए विशेष है। इस खास मौके पर स्कूल, कॉलेज से लेक अन्य शैक्षणिक संस्थानों में तमाम तरह के देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 26 जनवरी 1950 को देश में संविधान लागू कर देश को लोकतांत्रित गणराज्य घोषित किया गया था। भारतीय संविधान दुनियाँ का सबसे विस्तृत व लिखित संविधान है। संविधान को बनने में कुल 2 साल 11 महीने 18 दिन का समय लगा था।इतिहास में पहली बार देश की तीनों सेनाओं यानी थलसेना, नौसेना और वायुसेना की एक ही झांकी होगी। परेड में पहली बार सेना के तीनों अंगों की अलग-अलग झांकी नहीं निकाली जाएगी। देश की सेनाओं की संयुक्त झांकी निकालने का उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और समझ को बढ़ावा देना है। राज्यों की विरासत दर्शाएंगी झांकियां पगणतंत्र दिवस 2025 परेड में बिहार, मध्य प्रदेश, आंध्र- प्रदेश, गुजरात, चंडीगढ़, गोवा, हरियाणा, और झारखंड सहित 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। बता दें कि उत्तर प्रदेश की झांकी में महाकुंभ 2025 के ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाया जाएगा। इसके अलावा बिहार की झांकी में नालंदा की विरासत और एमपी की झांकी में कूनो नेशनल पार्क दिखाया जाएगा। साथ ही केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों की झांकिया भी समारोह की शोभा को बढ़ाएंगी।

साथियों बात अगर हम हमारी गोंदिया राइस सिटी में 26 जनवरी 2025 के उपलक्ष में होने वाले एक अद्भुत कार्यक्रम की करें तो, हम गोंदिया के सभी नागरिक साथ मिलकर गोंदिया को बेहतर बनाने की एक सकारात्मक गैर-राजनीतिक मुहिम शुरू कर रहें हैं। इसी कड़ी में हम गणतंत्र दिवस, रविवार, 26 जनवरी को पूरे गोंदिया वासियों के साथ मिलकर बेहतर गोंदिया के संकल्प के साथ सामूहिक राष्ट्रगान गाने वाले हैं।यह एक अनोखा व अभूतपूर्व रिकॉर्ड बनाने वाला कार्यक्रम होगा जिसमें सारे गोंदिया वासी समाज-धर्म-वर्ग-राजनीति से ऊपर उठकर एक साथ-एक ही समय दोपहर 12:12 बजे देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत होकर राष्ट्रगान गाएंगे।इसी के साथ हम सब कुछ व्यक्तिगत तथा सामूहिक प्रण लेंगे कि कैसे हम गोंदिया को बेहतर बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। क्योंकि गोंदिया हमारा है, तो इसे बेहतर बनाने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है!

साथियों बात अगर हम गणतंत्र दिवस के इतिहास की करें तो स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अनेक घटनाओं ने 26 जनवरी को अम दिन बनाया। यही वजह है कि इस दिन को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के दिन के तौर पर चुना। कांग्रेस पार्टी ने 19 दिसंबर 1929 को अपने लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में भारत के लिए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई थी। भारत के डोमिनियन दर्जे को लेकर ब्रिटिश और स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं के बीच बातचीत बेनतीजा होने के बाद यह प्रस्ताव पारित किया गया था। यह पूरी तरह से इरविन समझौते की विफलता थी। इसके कारण पूर्ण स्वराज प्रस्ताव की घोषणा की गई और जवाहरलाल नेहरू ने रावी नदी के तट पर तिरंगा झंडा फहराया। इसी प्रस्ताव में घोषणा की गई कि भारत 26 जनवरी को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। इसको 17 साल तक पूर्ण स्वराज दिवस के रूप में मनाया गया था भारत के गणतंत्र दिवस के पीछे का इतिहास गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 1950 को हमारे भारतीय संविधान के लागू होने की याद में मनाया जाता है। भारत को 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली, लेकिन तब तक भारत के पास अपना कोई संविधान नहीं था। बल्कि, भारत सरकार के कानून मुख्य रूप से भारत सरकार अधिनियम 1935 पर आधारित थे। बाद में 29 अगस्त 1947 को हमारे देश का स्वतंत्र संविधान बनाने के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर की अध्यक्षता में मसौदा समिति को अध्यक्ष नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया। भारतीय संविधान को तैयार होने में 2 साल और 11 महीने का समय लगा। आखिरकार, 26 जनवरी, 1950 को हमारा भारतीय संविधान लागू हुआ। 26 जनवरी की तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि 1930 में पूर्ण स्वराज, भारतीय स्वतंत्रता की घोषणा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा की गई थी। इसलिए, देश स्वतंत्रता दिवस मनाता है, जब भारत ब्रिटिश शासन से मुक्त हुआ, जबकि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान की स्थापना का प्रतीक है। भारत गणतंत्र दिवस का महत्व ।भारत का गणतंत्र दिवस बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस दिन को चिह्नित करता है जब भारत 1950 में एक गणतंत्र बना था। इस दिन, भारतीय संविधान लागू हुआ, जिसने देश को अपने स्वयं के कानून और अधिकार दिए। यह भारत के एक उपनिवेश से एक स्वतंत्र और स्वतंत्र राष्ट्र बनने की यात्रा को दर्शाता है। गणतंत्र दिवस हमें हमारे नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और बलिदान की याद दिलाता है ।यह लोकतंत्र, समानता और हमारे संविधान द्वारा निर्धारित मूल्यों का जश्न मनाने का दिन है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक नागरिक के पास अधिकार और स्वतंत्रता हो।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 76 वाँ गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025-गज़ब का उत्साह-दुनियाँ देखेगी भारत की ताकत 26 जनवरी भारत को एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करने का प्रतीक है-26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ था गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान के विशिष्ट महत्व की याद दिलाता है, जो हमारे अधिकारों और कर्तव्यों को परिभाषित करता है

मारुति स्विफ्ट हाइब्रिड के साथ एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम फीचर्स से होगी लैस, ज्यादा माइलेज के साथ मिलेंगे कई सेफ्टी फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली की सड़कों पर हाल ही में Maruti Swift Hybrid को टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। टेस्टिंग मॉडल स्विफ्ट में ADAS सूट फीचर्स भी देखने के लिए मिला है। इसके अलावा स्पोर्टियर फ्रंट और रियर बम्पर आगे के बंपर पर सिल्वर फिनिश फ्रंट ग्रिल पर एक रडार मॉड्यूल और ग्लोबल स्विफ्ट जैसा ही एलॉय व्हील दिखाई दिए हैं।

नई दिल्ली। हाल ही में नई Maruti Swift को दिल्ली की सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया। इस स्विफ्ट में हाइब्रिड के लोगो को साथ ही ADAS सूट भी देखने के लिए मिला। यह देखने में मौजूदा स्विफ्ट से करीब मिलती-जुलती है। इसे शाइनिंग ब्लैक शेड में स्पॉट हुई है। आइए जानते हैं कि टेस्टिंग के दौरान स्पॉट हुई Maruti Swift में क्या फीचर्स देखने के लिए मिले हैं।

टेस्टिंग मॉडल में क्या दिखा?

टेस्टिंग के दौरान स्पॉट हुई Maruti Swift में हाइब्रिड बैज देखने के लिए मिला है। रसलेन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्विफ्ट हाइब्रिड में थोड़ा स्पोर्टियर फ्रंट और रियर बम्पर देखने के लिए मिला है। इसमें विजुअल बल्क को कम करने के लिए अधिक ब्लैक एलिमेंट दिए गए हैं। इसके आगे के बंपर पर सिल्वर फिनिश दिया गया है। इसके फ्रंट ग्रिल पर एक रडार मॉड्यूल भी दिखाई दिया है, जो मुख्य आकर्षण का केंद्र है।

साइड पैनल की बात करें तो इसमें ग्लोबल स्विफ्ट जैसा ही एलॉय व्हील डिजाइन देखने के लिए मिला है। इसके अलावा, पीछे की तरफ डिस्क ब्रेक दिया गया है, जो केवल जापानी-स्पेक मॉडल में पेश किया जाता है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में बिकने वाली स्विफ्ट हाइब्रिड में भी रियर डिस्क ब्रेक ऑफर नहीं किया जाता है।

ADAS सूट और हाइब्रिड तकनीक

भारत-स्पेक मॉडल की तुलना में जापानी-स्पेक मॉडल में ADAS फीचर ऑफर किया जाता है, जो ड्राइविंग के दौरान पैसेंजर की सेफ्टी को और भी ज्यादा बढ़ा देते हैं। इसके साथ ही वहां पर इसमें ऐड-ऑन इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और हीटेड सीट ऑप्शन को भी पेश किया जाता है।

जापानी-स्पेक मॉडल में हाइब्रिड 1.2L Z12E पावरट्रेन दिया जाता है, जिसमें CVT गियरबॉक्स माइल्ड-हाइब्रिड तकनीक मिलती है। इब्रिड तकनीक ISG (इंटीग्रेटेड स्टार्टर जेनरेटर) मोटर की सहायता से फ्यूल की खपत को कम करने में मददगार होता है, जो एक बैटरी से बिजली खींचती है।

Swift हाइब्रिड में मिलेगा ज्यादा माइलेज

गाड़ियों में हाइब्रिड तकनीक होने पर फ्यूल एफिशिएंसी में काफी सुधार होता है। वहीं, सुजुकी स्विफ्ट हाइब्रिड के साथ 24.5 किमी/लीटर का माइलेज देने का दावा करती है। जापानी-स्पेक मॉडल Swift हाइब्रिड की बात करें तो यह शहरी क्षेत्र में 20.8 किमी/लीटर, उपनगरीय क्षेत्र में 24.8 किमी/लीटर और एक्सप्रेस वे क्षेत्र में 26.3 किमी/लीटर का माइलेज देने का दावा किया जाता है। वहीं, भारत में बिकने वाली बिना हाइब्रिड तकनीक वाली Maruti Swift AMT के साथ 25.75 किमी/लीटर तक का माइलेज देने का दावा करती है।

मारुति फ्रोंक्स हाइब्रिड मॉडल टेस्टिंग के दौरान स्पॉट, एक लीटर पेट्रोल में 30km से ज्यादा दे सकती है माइलेज

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति फ्रोंक्स हाइब्रिड मॉडल को टेस्टिंग के दौरान हरियाणा के गुरुग्राम में स्पॉट किया गया। इसमें Fronx के नीचे Hybrid बैज देखने के लिए मिला है। इसमें हाइब्रिड तकनीक जुड़ने के बाद यह उम्मीद की जा रही है कि Maruti Fronx एक लीटर पेट्रोल में 30 किलोमीटर से ज्यादा का रेंज दे सकती है। मौजूदा मैनुअल मॉडल 21.79 kmpl और ऑटोमेटिक मॉडल 22.89 किमी/लीटर तक का माइलेज देती है।

नई दिल्ली। Maruti Suzuki पहले से ही Grand Vitara और Invicto जैसी अपनी कारों के साथ हाइब्रिड ऑप्शन को ऑफर करती है। इस तकनीक को टोयोटा मारुति को आपूर्ति करती है। वहीं, अब सुजुकी खुद ही इन-हाउस मजबूत हाइब्रिड सिस्टम बनाने पर काम कर रही है। जिसका असर आगे चलकर उनकी तकरीबन सभी गाड़ियों में देखने के लिए मिल सकता है। इसकी शुरुआत Maruti Fronx समेत Swift के साथ हो सकती है। दरअसल हाल ही में Maruti Fronx को हाइब्रिड बैज के साथ टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। आइए जानते हैं कि इसके टेस्टिंग मॉडल में क्या नया देखने के लिए मिला है।

टेस्टिंग मॉडल में क्या दिखा?

रसलेन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, Maruti Fronx Hybrid को हरियाणा के गुरुग्राम में टेस्टिंग (Fronx Hybrid testing) के दौरान स्पॉट किया गया है। इसके पीछे की तरफ 'फ्रॉन्क्स' बैजिंग 'हाइब्रिड' बैज के ऊपर दाईं तरफ देखने के लिए मिला है। इसके बाईं तरफ 'फ्रॉन्क्स' रियर बैज दिया गया है। मारुति सुजुकी जो हाइब्रिड सेटअप डेवलप कर रही है उसे नए Z12E इंजन के साथ जोड़ा जा सकता है। इस इंजन को पहले से ही नई स्विफ्ट के साथ दिया जा चुका है।

मारुति का मजबूत हाइब्रिड सिस्टम ग्रैंड विटारा और इनविक्टो जैसे मौजूदा मॉडल से अलग हो सकता है। यह रेंज एक्सटेंडर सिस्टम होगा, जो पेट्रोल पावरट्रेन का इस्तेमाल बैटरी पैक को रिचार्ज करने के लिए करेगा। पहियों को पावर पेट्रोल इंजन से नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिक मोटर से मिलेगी। इस स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम को नेक्स्ट-जेन बलेनो जैसे नए मॉडल में भी पेश किया जा सकता है।

Hybrid सेटअप जुड़ने से होंगे ये फायदे

Maruti Fronx में Hybrid सेटअप जुड़ने के बाद पहियों को पेट्रोल इंजन के बजाय इलेक्ट्रिक मोटर से पावर मिलेगी। यह पेट्रोल पावरट्रेन बैटरी पैक को रिचार्ज करने के लिए जनरेटर के रूप में काम करता है। इसकी वजह से यह पहले से ज्यादा माइलेज देने के साथ ही बेहतर फ्यूल एफिशिएंस (Maruti Hybrid car) हो जाएगी।

उम्मीद की जा रही है कि Maruti Fronx Hybrid जुड़ने के बाद यह एक लीटर पेट्रोल में 30 किमी (Maruti Fronx Hybrid mileage) से ज्यादा का माइलेज देगी। हाल में यह 1.2-लीटर K-सीरीज़ इंजन के साथ आती है, जो 89.73 PS की पावर और 113 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन मैनुअल के साथ 21.79 किमी/लीटर का माइलेज और AMT के साथ 22.89 किमी/लीटर तक का माइलेज देती है।

ओला रोडस्टर एक्स इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल हुई टीज, मार्च 2025 से शुरू हो सकती है डिलीवरी

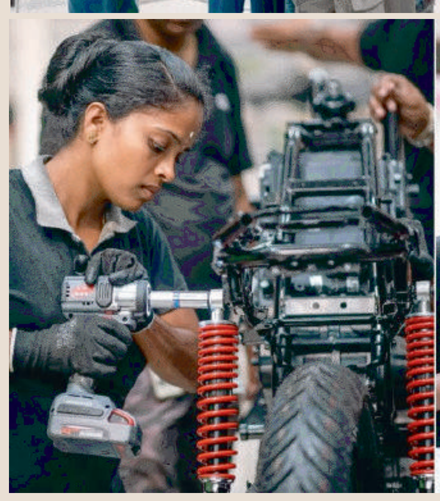

परिवहन विशेष न्यूज

अगस्त 2024 में लॉन्च होने के बाद Ola Roadster X electric motorcycle को ओला इलेक्ट्रिक ने अपने सोशल मीडिया पर टीज किया है। इसकी कुछ फोटोज जारी की गई है जिसमें Roadster X की मूल सरंचना देखने के लिए मिली है। इससे पहले ओला इलेक्ट्रिक के CEO Bhavish Aggarwal इसे चलाते हुए अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर चुके हैं।

नई दिल्ली। साल 2024 में ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी Ola Roadster X electric motorcycle को अगस्त 2025 में लॉन्च किया था। वहीं, कुछ दिन पहले की इसे चलाते हुए ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी राइड का वीडियो शेयर किया था। वहीं, कंपनी ने Roadster X के प्रोडक्शन की झलक दिखाई है। ओला इलेक्ट्रिक के सोशल मीडिया पर शेयर की गई फोटोज बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर ब्रांड की पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के उत्पादन लाइन की प्रतीत होती है। आइए जानते हैं कि इसमें क्या कुछ देखने के लिए मिला है।

Ola Roadster X की कौन से फोटोज दिखी

ओला इलेक्ट्रिक के सोशल मीडिया पर शेयर की गई फोटोज में Roadster X की मूल संरचना देखने के लिए मिली है। इसमें एक डबल क्रैडल फ्रेम दिया गया है, जिसमें तिरछे तरीके से बैटरी पैक को लगाया गया है। बैटरी के ठीक नीचे और फुटपेग के आसपास मोटर दी गई है। इस मोटर को पारंपरिक चेन-ड्राइव सिस्टम से जोड़ा गया है। इसमें दिया गया पूरा सेटअप टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और डुअल रियर स्प्रिंग पर टिकाया गया है। इसके अलावा, Roadster X में 17-इंच के पहिए लगाए गए हैं, वो भी MRF टायर कंपनी के।

Ola Roadster X के फीचर्स

बैटरी पैक, रेंज और कीमत

Ola Roadster X को तीन बैटरी पैक ऑप्शन के साथ पेश किया जाएगा, जो 2.5kWh, 3.5kWh और 4.5kWh है। इसकी 2.5kWh वेरिएंट की कीमत 74,999 रुपये, 3.4kWh की कीमत 84,999 रुपये और 4.5kWh वैरिएंट की कीमत 84,999 रुपये रहने वाली है। कंपनी की तरफ से दावा किया गया है कि उनकी 4.5kWh बैटरी पैक 200 किमी तक का रेंज, 14.9PS का पावर और 124 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड देगी। Roadster X की बुकिंग चल रही है। इसकी डिलीवरी की बात करें तो यह मार्च 2025 से शुरू हो सकती है।

स्पेसिफिकेशन

Ola Roadster X में टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन के साथ सेगमेंटेड एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। इसमें क्रूज़ कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम अलर्ट, DIY मोड, डिजिटल की अनलॉक, 3 राइडिंग मोड (स्पोर्ट्स, नॉर्मल और इको) समेत कई बेहतरीन फीचर्स दिए गए हैं।

राइवल्स

Ola Roadster X का भारतीय बाजार में मुकाबला TVS iQube, Bajaj Chetak, Ather Rizta और Vida V1 जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर से देखने के लिए मिलेगा।

रॉयल एनफील्ड की इस मोटरसाइकिल का सफर हुआ खत्म, यह बाइक लेगी इसकी जगह

परिवहन विशेष न्यूज

रॉयल एनफील्ड की स्क्रैम 411 को भारतीय बाजार के लिए बंद कर दिया गया है। इसे कंपनी ने साल 2022 में पहली बार लॉन्च किया था। इस बाइक को पुराने हिमालयन 411 के बेस पर तैयार किया गया है। भारत में इस मोटरसाइकिल की जगह नई Royal Enfield Scram 440 लेगी जिसे कई बेहतरीन फीचर्स के साथ लॉन्च किया गया है।

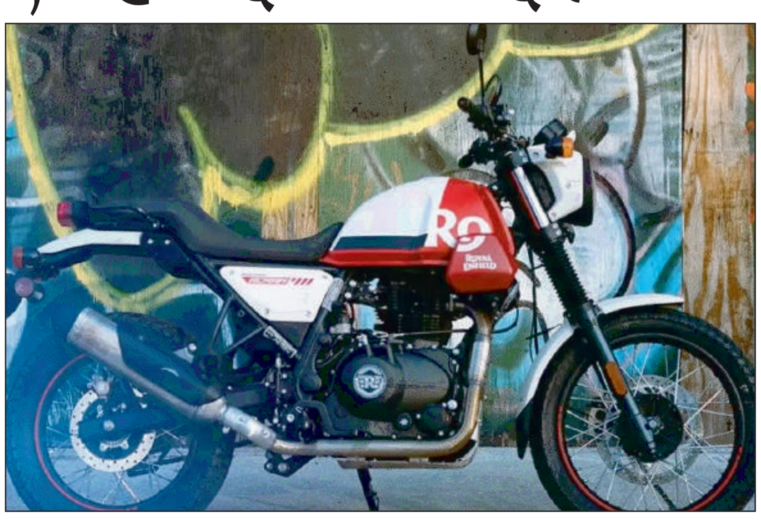

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड ने भारत में अपनी Scram 411 को डिस्कंटीन्यू यानी बंद कर दिया है। इसे कंपनी ने पहली बार मार्च 2022 में लॉन्च किया था। इसे कंपनी अपनी भारकीय वेबसाइट से भी हटा दिया है। इतना ही नहीं, इसके लिए डीलरों ने अब बुकिंग भी लेना बंद कर दिया है। इसे बंद होने के पीछे का एक कारण नई Scram 440 लॉन्च होना माना जा रहा है। आइए जानते हैं कि Royal Enfield Scram 411 किन फीचर्स के साथ आती थी।

Royal Enfield Scram 411 के फीचर्स

रॉयल एनफील्ड स्क्रैम 411 को पुराने हिमालयन 411 के बेस पर तैयार किया गया है। जिसे कम बॉडीवर्क के साथ उसी चेसिस पर बनाया गया था। बाइक में 19-इंच के फ्रंट और 17-इंच के रियर वायर-स्पोक व्हील का इस्तेमाल किया गया था। इसमें सस्पेंशन ड्यूटी टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स के जरिए दी गई थी। इसे हिमालयन 411 की तुलना में थोड़ा हल्का बनाया गया था। ताकी इसे ज्यादा लोग अपना सकें और यह हल्की ऑफ रोडिंग में कैपेबल भी थी। इसकी कीमत की बात करें यह 2.06 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत में आती थी

Royal Enfield Scram 411

Royal Enfield Scram 411 में 411 सीसी, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड इंजन का इस्तेमाल किया गया था, जो 24.3 bhp की पावर और 32 Nm का टॉर्क जनरेट करता था। इसके मोटर को 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया था। बाइक में डिजिटल रीडआउट के साथ एक एनालॉग इंस्ट्रूमेंट कंसोल भी दिया गया था, जबकि ट्रिपर नेविगेशन स्क्रीन एक ऑप्शन के रूप में दिया गया था।

Scram 440 लेगी Scram 411 की जगह

भारत में बंद हो चुकी Scram 411 की जगह नई Scram 440 लेगी। इसमें बोर-आउट इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो ज्यादा पावर जनरेट करता है। रॉयल एनफील्ड ने स्क्रैम 411 की कमियों को दूर करके उसी मोटर पर बेस्ड एक बड़ी 440 सीसी मोटर को पेश किया है। बाइक में 443cc, एयर और ऑयल-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया गया है, जो 25.4 PS की पावर और 34 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें बेहतर हाईवे राइडेबिलिटी के लिए छठा गियर जोड़ा गया है।

Royal Enfield Scram 440 के फीचर्स

Scram 440 को बाइक वायर-स्पोक्ड के साथ ही अलॉय व्हील्स में भी पेश किया गया है। बाइक को 5 कलर ऑप्शने के साथ लॉन्च किया गया है, जो नीला, हरा, ग्रे और टील है। इसके साथ ही इसमें बिल्कुल नई LED हेडलाइट, एक नया इंस्ट्रूमेंट कंसोल, नई सिंगल-पीस सीट, एक USB चार्जिंग पोर्ट, ट्रिपर नेविगेशन पॉड और गोल रियर-व्यू मिरर जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

यामाहा एमटी-09 एसपी में मई-जून 2025 में हो सकती है लॉन्च, शानदार डिजाइन समेत एडवांस फीचर्स से है लैस

परिवहन विशेष न्यूज

नई यामाहा एमटी-09 एसपी को नए फीचर्स के साथ ही नए कलर स्कीम से लैस किया गया है। इसमें तीन राइडिंग मोड दिए गए हैं। इसके ब्रेकिंग सिस्टम को पहले से ज्यादा बेहतर किया गया है। यह नेकेड बाइक भारत में 2025 के मई-जून महीने में लॉन्च हो सकती है। वहीं इसका ऑर्डर मिलने पर ही भारत में लाया जाएगा।

नई दिल्ली। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में यामाहा के पवेलियन में Yamaha MT-09 SP को शोकेस किया गया। इस नेकेड बाइक को साल 2025 में कई बेहतरीन फीचर्स के साथ अपडेट किया गया है। इसके साथ ही इसे नया डिजाइन देने के साथ ही नया कलर स्कीम भी दिया गया है। जिसकी वजह से यह बाइक पहले से ज्यादा अट्रैक्टिव दिखने लगी है। आइए जानते हैं कि Yamaha MT-09 SP में क्या नए अपडेट मिले हैं और यह भारत में कब लॉन्च होने वाली है।

ब्रेकिंग

नई Yamaha MT-09 SP में हल्के एल्युमीनियम फ्रेम दिया गया है। इसमें आगे की तरफ 41 mm USD फोर्क और पीछे की तरफ मोनो-शॉक के जरिए सस्पेंड किया गया है। वहीं, इसमें ब्रेकिंग के लिए आगे की तरफ 298 mm डिस्क और पीछे की तरफ 245 mm डिस्क ब्रेक दिया गया है। इस अपडेट के साथ इसका ब्रेकिंग सिस्टम पहले से ज्यादा बेहतर हुआ है।

इंजन

नई Yamaha MT-09 SP में वही पुराना 890 cc, इनलाइन 3-सिलेंडर इंजन दिया गया है। यह इंजन 10,000 rpm पर 117 BHP की पावर और 7,000 rpm पर 93 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

इसके Y-AMT वर्शन में क्लच लीवर को नहीं दिया गया है। इसकी जगह पर बाइक थ्रॉटल इनपुट, लीन एंगल आदि के आधार पर गियर को संचालित करने के लिए एक एक्ट्यूएटर पर डिपेंड करती है। हालांकि, ऑटो एक्सपो 2025 में पेश की गई मोटरसाइकिल 6-स्पीड मैनुअल वर्शन रही। इसी को भारत में लॉन्च किया जाएगा।

फीचर्स

नई Yamaha MT-09 SP में के नए वर्जन में स्पोर्ट बाय-फंक्शनल LED हेडलैंप और न्यूनतम बॉडी वर्क देखने के लिए मिला है। इसमें 2-पीस स्टेप्ड सीट और TFT कलर डिस्प्ले दिया गया है।

यामाहा की इस मोटरसाइकिल में तीन राइडिंग मोड दिए गए हैं, जो स्पोर्ट, स्ट्रीट और रेन है। सेफ्टी फीचर्स के रूप में MT-09 SP में बैक स्लिप रेगुलेटर, ट्रैक्शन कंट्रोल, स्लाइड कंट्रोल सिस्टम और फ्रंट व्हील लिफ्ट कंट्रोल सिस्टम के साथ 6-एक्सिस IMU दिया गया है।

भारत में कब होगी लॉन्च

नई Yamaha MT-09 SP भारत में साल 2025 के मई-जून महीने में लॉन्च हो सकती है। भारत में इसे CBU के रूप में तभी लाया जाएगा जब कोई ग्राहक इसके लिए ऑर्डर देंगे। भारत में इसकी कीमत 13 लाख रुपये के आसपास हो सकती है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला Triumph Street Triple RS (11.81 लाख रुपये) और Ducati Monster SP (15.95 लाख रुपये) से देखने के लिए मिल सकता है।

शब्दों की दुनिया में दृश्यों का दबाव

विजय गर्ग

इंटरनेट समाज के लिए एक चमत्कार रहा है। इसने जमीनी स्तर पर कई सकारात्मक बदलाव देखे हैं। कैमरे वाले मोबाइल फोन के माध्यम से इंटरनेट की उपलब्धता ने लोगों के लिए संभावनाओं के कई दरवाजे खोल दिए। डिजिटल दुनिया जहां समाज को गई, वहीं इसने कई जटिलताओं को आसान बना दिया। अनुसार, मार्च 2024 तक भारत में 6.4 करोड़ 2.27 गीगाबाइट प्रति कल्पना लोक में ले पीआइबी की एक रपट इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं माह है। आबादी का 5.69 फीसद दूरसंचार घनत्व है। परिणामस्वरूप, देश सोशल मीडिया का उदय और प्रभाव एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया इसलिए, सोशल मीडिया में बड़े पैमाने पर भागीदारी अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। इंटरनेट, कैमरे और सोशल मीडिया का संयोजन मानव जीवन में एक आवश्यक वस्तु बन गया है। शुरुआत में सोशल मीडिया पर दिखने का चलन शब्दों के माध्यम से था, खासकर तब, जब लोग फेसबुक और ट्विटर पर अपने विचार लिखते थे, लेकिन अब इसे वीडियो में बदला जा रहा है। फेसबुक और इंस्टाग्राम के माध्यम से सोशल मीडिया के मेटा समूह के मंच पर इसे 'रील' कहा जाता है।

आम आदमी की सामान्य प्रवृत्ति खुद को लोगों के सामने पेश करने की होती है। इसलिए सोशल मीडिया पर रौल, शार्ट्स, फ्रैंक और सेल्फी आदि के रूप में पेश किया रहा है, जिसका मुख्य लक्ष्य इंटरनेट की दुनिया में 'वायरल' होना या सुर्खियों में आना है, ताकि समाज में मशहूर हुआ सके। निस्संदेह, रचन रचनात्मकता के कई ता के कई रूपों को सार्वजनिक स्थान मिल रहा है और इसके कई पहलू, जैसे नृत्य, गायन, अभिनय, संगीत प्रस्तुति, खाना बनाना, पेंटिंग, गेमिंग, जादू, गणितीय खेल, चुटकुले, कविताएं, राजनीतिक व्यंग्य, स्टंट, बाइक चलाना, लोक कला, पालतू जानवरों से जुड़ी कलाएं, बच्चों की शरारतें और इसी तरह की अन्य गतिविधियां बिना किसी टीवी चैनल के, समाज तक पहुंच रही हैं। नए कलाकार, वक्ता, शिक्षक, पत्रकार, ब्लागर, यूट्यूबर और 'फ्रैंक स्टार' इस माध्यम से प्रसिद्धि पा हैं। हजारों वीडियो से करोड़ों रुपए की कमाई हो रही है। इस पूरी प्रक्रिया के माध्यम से एक नया रोजगार भी उभर रहा है, जिसे भारतीय अर्थव्यवस्था लिए सहायक माना जा सकता है।

समाज में सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर' के रूप में एक नया सम्मानजनक दर्जा सामने आया है। अगर सोशल मीडिया न होता तो उनमें से कई लोग दूसरों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पाते। हालांकि, यह भी ₹है कि समाज केवल वायरल होने की मंशा से उभर रही हैं। इसमें एक 'रोल' बना कर उसका प्रचार करके सबसे अधिक लोगों तक पहुंच बनाने की मंशा सर्वोपरि है। अधिक से अधिक दर्शक और प्रशंसक पाने के लिए उनमें अंधी प्रतिस्पर्धा चल रही है, है, क्योंकि उसी के अनुसार अधिक से अधिक कमाई में वृद्धि भी हो रही है। कारण, समाज में कई ऐसे कार्य हो रहे हैं, जिनकी नागरिक मूल्यों को देखते हुए अनुमति नहीं दी जा सकती है। कई 'फ्रैंक स्टार' आम आदमी को चिढ़ाते हैं, और इस तरह नागरिकों की निजता से समझौता होता है।

सेल्फी लेने और स्टंट वीडियो बनाने के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं। पहाड़ पर चढ़ना, पानी में गोता लगाना और ऊंचाई से कूद कर स्टंट वीडियो बनाने की प्रवृत्ति खतरनाक है। इसके परिणामस्वरूप लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। यहां तक कि मौत भी हो रही है।

समाज में सहज मानवीय व्यवहार में यह कोई सामान्य घटना नहीं है, जहां वेब- सामग्री निर्माता अनैतिक, धोखाधड़ी वाले तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं दर्शक भी इस तरह की नकली और अनुत्पादक सामग्री देख कर धोखा खा रहे हैं और समय भी बर्बाद कर रहे हैं। डिजिटल जागरूकता की कमी और भाषाई बाधाओं के कारण साइबर अपराधी लोगों को लूट रहे हैं। डिजिटल कंपनियों द्वारा निर्दोष उपयोगकर्ताओं से उनकी 'सूचित सहमति' के बिना व्यक्तिगत डेटा चुरा कर दुरुपयोग किया जा रहा है।

सोशल मीडिया खबरों के उपभोग का पसंदीदा तरीका बन गया है। 'फिक्की' द्वारा दैनिक समाचार उपभोग पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार, डिजिटल मीडिया 79 फीसद, टेलीविजन समाचार चैनल 61 फीसद और मुद्रित समाचार पत्र पत्र 57 फीसद के साथ सर्वोच्च स्थान पर हैं। कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि डिजिटल मीडिया की प्रवृत्ति बहुत अस्थिर है और संपादकीय भूमिका न्यूनतम इसलिए, लोगों को प्रामाणिक समाचार प्रदान करके उनकी सेवा करने की भावना से हर स्तर पर समझौता प्रदान किया जा रहा है, जहां प्राथमिक उद्देश्य अधिकतम दर्शक प्राप्त करना है।

इसलिए पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य, जो समाचार की गुणवत्ता की कीमत और समझौतावादी इरादों के साथ टेलीविजन युग में उच्च 'टीआरपी' हासिल करके मूल लाभ की ओर बढ़ना शुरू हुआ था, वह डिजिटल मीडिया में चरम पर पहुंच गया है।

नतीजतन, नए मीडिया में पत्रकारिता की सहज भाषा के साथ एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण । और पारदर्शी समाचार की उपलब्धता न्यूनतम होती जा रही है। सामग्री का शीर्षक और वीडियो के 'थंबनेल' मीडिया की नैतिकता सनसनी पैदा करने के लिए डिजाइन किए जा रहे हैं। अध्ययन डिजिटल मीडिया में सत्ता और धन के केंद्रीकरण को भी दर्शाते हैं।

नए मीडिया विज्ञापन ने कुल विज्ञापन 152 फीसद योगदान दिया और 2023 में इसमें कुल विज्ञा न विज्ञापन वृद्धि का 105 फीसद हिस्सा शामिल था। यह तीव्र वृद्धि पारंपरिक मीडिया के सभी विज्ञापन लाभों को दबाने के लिए तैयार है। इसी तरह, यदि डिजिटल दुनिया को एक खुला संसाधन मानें तो उस स्थिति में मनोरंजन शैलियों में रील, शार्ट्स और पर्याप्त लंबाई के वीडियो जरिए हिंदी और भोजपुरी संयुक्त रूप से हावी हैं, जहां ये 70 फीसद की हिस्सेदारी कर रहे हैं, पंजाबी आठ फीसद, तमिल पांच फीसद, तेलुगु पांच फीसद, कन्नड़ तीन फीसद, मराठी दो फीसद, मलयालम एक फीसद और हरियाणवी का भाग भी एक फीसद है। हो सकता है कि लाभ में इतना अंतर अधिक आबादी और संबंधित भाषाओं में पर्याप्त वीडियो सामग्री की उपलब्धता के कारण हो है, लेकिन एक बार कोई प्रभुत्व स्थापित हो जाने के बाद, वैकल्पिक शक्ति के लिए उठना हमेशा तरह अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

ये वीडियो बिना किसी संपादकीय हस्तक्षेप के उपलब्ध हैं। 'स्टैटिस्टा ' के एक अध्ययन के अनुसार भारत में एक व्यक्ति औसतन प्रतिदिन छह घंटे से ज्यादा आनलाइन समय बिताता है। फोन के इस अत्यधिक उपयोग के कारण कई तरह की मानसिक बीमारियां हो रही हैं, जिनमें आंख कमजोर होना और सिर दर्द आदि शामिल हैं। भले ही सब कुछ अप्रासंगिक हो, लेकिन हमारी दिनचर्या में छह घंटे का समय भी बहुत मायने रखता है। समाज में पेशेवरों पर प्रतिदिन काम के घंटे बढ़ाने का लगातार दबाव है और इस आधार पर यह आंकड़ा बहुत ज्यादा है। डिजिटल उपकरण के अत्यधिक उपयोग को रोकने और हमारी अनुत्पादक डिजिटल गतिविधियों को कम करने के लिए कोई हस्तक्षेप या संतुलन नहीं है, ऐसे में जागरूकता ही लोगों को डिजिटल रूप से जिम्मेदार बना सकती है।

अंतरिक्ष में एक बड़ी छलांग

विजय गर्ग

इसरो की अंतरिक्ष डॉकिंग देश की तकनीकी क्षमता को रेखांकित करती है और भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषणों के लिए मंच तैयार करती है

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नेतृत्व में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने अपने पहले सफल अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग के साथ एक और उपलब्धि हासिल की है। यह मील का पत्थर देश की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतिनिधित्व करता है, जो वैश्विक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में इसरो की प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है। स्पेस डॉकिंग दो अंतरिक्षयानों को कक्षा में जोड़ने की प्रक्रिया है, जो चालक दल, उपकरण या ईंधन के हस्तांतरण को सक्षम बनाती है। यह उन्नत अंतरिक्ष अभियानों के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जिसमें अंतरिक्ष स्टेशनों का निर्माण, कक्षा में सर्विसिंग और अंतरग्रहीय यात्रा शामिल है। अंतरिक्ष यान को डॉक करने की क्षमता अंतरिक्ष यात्रा करने वाले देशों के लिए एक बेंचमार्क है, जो अंतरिक्ष में जटिल संचालन करने की उनकी क्षमता को दर्शाता है। इसरो के डॉकिंग प्रयोग में दो छोटे, स्वदेशी रूप से विकसित अंतरिक्ष यान को कक्षा में लॉन्च किया गया। मिशन ने स्वायत्त पैंतरेबाजी का प्रदर्शन किया, जहां अंतरिक्ष यान एक-दूसरे के पास आए, सटीक रूप से संरेखित हुए, और उच्च गति से पृथ्वी की परिक्रमा करते हुए सफलतापूर्वक डॉक किए गए। ऑपरेशन के लिए जटिल योजना और सटीक नेविगेशन, नियंत्रण प्रणाली और रोबोटिक तंत्र जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास की आवश्यकता थी।

यह डॉकिंग प्रयोग अपने स्वयं के मॉड्यूलर अंतरिक्ष स्टेशन को विकसित करने की भारत की महत्वाकांक्षा के लिए आधार तैयार करता है, जो अगले दशक के लिए प्रस्तावित परियोजना है। चंद्रमा और मंगल पर भविष्य के मिशनों के लिए स्पेस डॉकिंग तकनीक महत्वपूर्ण है। यह कक्षा में बड़े अंतरिक्ष यान के संयोजन की सुविधा प्रदान करता है और ईंधन भरने और चालक दल के स्थानांतरण का समर्थन करता है, जो लंबी अवधि के मिशनों के लिए आवश्यक है। डॉकिंग प्रौद्योगिकी में निपुणता भारत को अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं, जैसे लूनर गेटवे या अन्य सहयोगी अंतरिक्ष स्टेशन प्रयासों के लिए एक संभावित भागीदार के रूप में स्थापित करती है। यह सफलता बाहरी समर्थन पर निर्भरता को कम करते हुए, घरेलू स्तर पर परिष्कृत प्रौद्योगिकियों को नया करने और विकसित करने की इसरो की क्षमता को रेखांकित करती है। डॉकिंग पैंतरेबाज़ी को अंजाम देना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसरो को स्वायत्त निर्णय लेने में सक्षम अत्यधिक सटीक नेविगेशन और नियंत्रण प्रणाली विकसित करने सहित कई चुनौतियों का समाधान करना पड़ा। 28,000 किमी/घंटा से अधिक गति से यात्रा करने वाले दो अंतरिक्ष यान का सिंक्रनाइज़ेशन सुनिश्चित करना। इसरो की सफल अंतरिक्ष डॉकिंग भारत की अंतरिक्ष आकांक्षाओं में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पृथ्वी की निचली कक्षा और उससे आगे अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के संगठन के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह उपलब्धि भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं में भी विश्वास जगाती है क्योंकि देश गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन, चंद्र अन्वेषण और अंतरग्रहीय उद्यमों जैसे महत्वाकांक्षी लक्ष्यों पर नजर रखता है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय ने इसरो की उपलब्धि की सराहना की है और इसे एक महत्वपूर्ण तकनीकी सफलता माना है। यह एक उभरती हुई अंतरिक्ष शक्ति के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि करता है, जो चुनौतीपूर्ण और उच्च जोखिम वाले मिशनों को पूरा करने में सक्षम है। जैसे-जैसे राष्ट्र संभव की सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है, यह मील का पत्थर आने वाले वर्षों में और भी बड़ी उपलब्धियों की नींव के रूप में कार्य करता है। हर नई प्रगति के साथ, भारत अंतिम सीमा पर अग्रणी बनने के अपने सपने के करीब पहुंचता है।

दुख सबको मांजता है

विजय गर्ग

आज के दौर में हर कोई परेशान ही दिखता है। हर व्यक्ति को यही लगता है कि दुनिया भर की समस्याओं ने उसे जकड़ा हुआ है। वही सारी समस्याओं से घिरा हुआ है । दूसरे सभी मस्त हैं, प्रसन्न हैं । मगर सच यह है कि ऐसा नहीं है। हरेक की अपनी समस्याएं हैं, अपनी परेशानियां हैं, कठिनाइयां हैं। इनके स्वरूप भिन्न हो सकते हैं । कोई मानसिक तौर पर तो कोई शारीरिक तौर पर और इन दोनों ही स्थितियों में वह बीमारियों से घिरता चला जाता है। वे बीमारियां शारीरिक हो सकती हैं या फिर मानसिक ।

व्यक्ति परेशानियों के मूल कारणों को जानना और समझना नहीं चाहता। बस वह उन परेशानियों के परिणामों के अनुमान लगाकर और ज्यादा परेशान हो उठता है । यह मान लिया जा सकता है कि हर व्यक्ति के जीवन में परेशानियों, कठिनाइयों और समस्याओं का अंबार लगा हुआ है, लेकिन क्या इनसे कोई अछूता रह पाया है ! इसका उत्तर 'नहीं' है। तब हम क्यों इन बातों को लेकर और ज्यादा परेशान हो जाते हैं ! इस बात पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए कि जो भी संकट हैं, उन पर सोच-विचार करने और चिंतित होने मात्र से ही वे क्या दूर हो जाएंगे या वे और अधिक चिंता बढ़ा देंगे ! जहां चिंताएं बढ़ेंगी, वहां समस्याएं और विकराल रूप धारण करती चली जाएंगी। अगर उसी समस्या से घिरे रहेंगे और मन को अशांत कर बैठेंगे तो हो सकता है कि और बड़ी समस्याएं उत्पन्न होकर मुंह बाए खड़ी मिलेंगी । नतीजा दुख, असंतोष, अशांति के रूप में सामने आएगा। अगर उन समस्याओं के बोझ तले हम दबते चले जाएंगे, तो वे और ज्यादा दबाती चली जाएंगी।

जीवन में समस्याएं बनी रहती हैं, जो व्यक्ति को परेशान करती रहती हैं, लेकिन यह भी उतना ही सही है कि व्यक्ति एक समस्या से निजात पाता है, तो दूसरे ही पल दूसरी समस्या उसके सामने मुंह बाए खड़ी मिलती है। संसार में ऐसा कोई मनुष्य नहीं है जो हर तरह की समस्या से मुक्त हो । कुछ लोग समस्याओं का हंसते-हंसते सामना कर लेते हैं तो कुछ लोग समस्याओं का रोना लेकर बैठ जाते हैं और इसके साथ ही नित नई उत्पन्न समस्याओं के साथ जीवन भर के कष्ट आमंत्रित कर लेते हैं । जीवन को स्वर्ग या नर्क बनाना व्यक्ति के स्वयं के हाथ में रहता है ।

जीवन में आने वाली परेशानियां दुख का कारण बनती हैं। माना कि जीवन की डगर कठिनाइयों से भरी हुई है, लेकिन इन कठिनाइयों का सामना करने के बजाय हम हार मानकर बैठ जाएं और परेशान हो जाएं और सोच लें कि जीवन समस्याओं का घर है, तब तो जीना ही मुश्किल हो जाएगा। जीवन चक्र में उतार- चढ़ाव आते रहते हैं । कभी दुख है तो कभी सुख । कई बार दोनों समांतर चलते हैं, लेकिन हम दुखों से घबरा उठते हैं और इस स्थिति में समांतर रूप से मिल रहे सुख को या तो पहचान नहीं पाते या उसे अनुभूत नहीं कर पाते हैं। ऐसे में सुख कहीं खो जाता है और दुख पूरी तरह से हावी हो जाता है । यही दुख हमें जीवन के कठिन समय को बार-बार दोहराने पर मजबूर करता है । तब लगता है कि हमारा जीवन कठिनाइयों से भरा हुआ है। सर्वत्र परेशानियां ही परेशानियां हैं, समस्याओं के पहाड़ खड़े हैं, जिनको पार करना मुश्किल है।

यह बात सही है कि जब जिंदगी की गाड़ी ठीक-ठाक चल रही होती है, उस समय कोई बड़ा अप्रत्याशित संकट उठ खड़ा होता है, तब व्यक्ति को संभलने में समय लगता है। ऐसे समय लगने वाले घात-प्रतिघात व्यक्ति को संभलने का मौका नहीं देते, लेकिन फिर भी यह मानते हुए कि जीवन संघर्ष का नाम है, पूरे जीवट के साथ साहसपूर्वक मुसीबतों का सामना करना चाहिए, न कि हताशा के भंवर में डूब कर हथियार डाल देना चाहिए । यह भी समझना चाहिए कि कुछ समस्याएं ऐसी होती हैं, जिन पर इंसान का अपना वश नहीं रहता। मसलन, प्राकृतिक आपदा पर हमारा कोई वश नहीं है। उसका सामना करना और उससे बचने की कोशिश करना ही एकमात्र रास्ता होता है।

यह भी सच है कि ' आ बैल मुझे मार' की तर्ज पर कुछ परेशानियों को तो हम स्वयं आमंत्रित करते हैं। इसके बाद जब हम शिकायत करते हैं, तब लगता है कि परेशानियां जैसे स्वयं कह रही हों कि बंदे, मैं तुझे पीले चावल देकर निमंत्रण देने तो नहीं आई थी... तूने खुद मुझे बुलाया है तो भुगत ! एक उदाहरण से इसे समझा जा सकता है । चौराहा पार करना है और लाल बत्ती सामने हो, लेकिन फिर भी 'जेब्रा लाइन' पार कर निकल गए और जब यातायात पुलिसकर्मी ने पकड़ लिया तो उसके द्वारा परेशान करने का आरोप लगाया जाता है । इस परेशानी को लेकर तनाव उभर जाता है। इसी तरह की अन्य अनेक बातें हैं, जिन्हें हम टाल सकते हैं और अवांछित समस्याओं से दूर रह सकते हैं ।

हम अगर जीवन में सुखी रहना चाहते हैं तो जो जिस रूप में मिल रहा है, उसे उस रूप में स्वीकार करना चाहिए। अपने प्रयत्नों में कहीं कोई कमी नहीं आने देना चाहिए। साथ ही जो नकारात्मक घटित हो, उसे समस्या रूप में मानकर परेशान न होते हुए जीवन चक्र का एक भाग मान कर आगे बढ़ जाना चाहिए । हो सकता है जीवन में आने वाली समस्याएं, कठिनाइयां, परेशानियां हमारे लिए सबक हों, एक अच्छे और सफल जीवन की राह पर बढ़ने के लिए ! निश्चित रूप से हमें इनसे मिलने वाली असफलताओं से निराश न होते हुए इनके नतीजों से सबक लेते हुए और बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए।

जागरूकता के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी

लोकतंत्र का आधार मतदान है और युवा इस आधार को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस दिन का उद्देश्य नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना और मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करना है। हमारे देश में युवा आबादी काफी बड़ी है। ऐसे में युवाओं को मतदान के महत्व के बारे में जागरूक करना अत्यंत जरूरी है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस युवाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह उन्हें लोकतंत्र में भागीदार बनने, समाज में सक्रिय भूमिका निभाने और देश के विकास में योगदान देने का मौका देता है।

इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि यह लोकतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने के वर्ष में मनाया जा रहा है। भारत में यह दिन हर साल 25 जनवरी को मनाया जाता है, जो भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना का दिवस भी है। 25 जनवरी, 2025 को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय मतदाता दिवस देश के हर नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।

लोकतंत्र की सफलता का आधार स्वतंत्र, निष्पक्ष और सक्रिय मतदान है। जब अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तभी एक सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, दिव्यांगजन सहित सभी वर्गों के लिए मतदान की सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी दी जाती है। इस दिन युवाओं को विशेष रूप से संबोधित किया जाता है और उन्हें मतदान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है।

मतदान एक कानूनी अधिकार है, और यह हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। भारत में, मतदान से संबंधित सभी गतिविधियों को चुनाव आयोग द्वारा नियंत्रित किया जाता है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है जो निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है। भारत में 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त होता है। सभी योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज होते हैं। मतदान एक गुप्त प्रक्रिया है। कोई भी यह नहीं जान सकता कि आपने किस उम्मीदवार को वोट दिया है।

शिक्षक छात्रों को लोकतंत्र के मूल्यों, मतदान का महत्व बताने के साथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बना सकते हैं। शिक्षक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में वाद-विवाद, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, नाटक, पोस्टर प्रदर्शन आदि आयोजित कर सकते हैं। छात्रों के बीच मॉक पोल का आयोजन कर उन्हें वास्तविक मतदान प्रक्रिया से परिचित कराया जा सकता है। विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है, जिसमें छात्रों को मतदान के महत्व और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी जाए। शिक्षक चुनाव आयोग के साथ मिलकर छात्रों को मतदाता पहचान पत्र बनवाने में मदद कर सकते हैं। इससे छात्र अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग करेंगे और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में योगदान देंगे।

युवाओं को यह समझाना होगा कि लोकतंत्र एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें हर नागरिक के पास अपनी सरकार चुनने का अधिकार होता है। मतदान इसी अधिकार का प्रयोग करने का एक तरीका है। युवाओं को यह बताना चाहिए कि वे अपने मतदान के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। वे ऐसे नेताओं को चुन सकते हैं जो उनके मुद्दों को समझें और उनके लिए काम करें। उन्हें ऐसे नेताओं को चुनना चाहिए जो देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध हों। युवाओं को यह समझाना होगा कि मतदान एक जिम्मेदारी भी है। उन्हें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए और मतदान करके इसे निभाना चाहिए।

अंत में, हमें यह भी याद रखना चाहिए कि मतदान केवल चुनाव के दिन तक सीमित नहीं है। हमें अपने प्रतिनिधियों के काम पर नजर रखनी चाहिए और उन्हें उनके वादों को पूरा करने के लिए जवाबदेह ठहराना चाहिए। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमें एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि लोकतंत्र की मजबूती हमारे हाथों में है।

-विजय गर्ग

मक्खन लगाने की कला

विजय गर्ग

पत्नी रसोई से आवाज लगाकर पूछ रही है कि क्या कर रहे हो ? इधर आकर थोड़ा हाथ ही बंटा दो। मैं कमरे से जवाब दे रहा हूं कि अभी नहीं आ सकता। वह पूछ रही है क्यों नहीं आ सकते ? ऐसा भी क्या जरूरी काम कर रहे हो ? मैंने कहा कि इस वक्त मैं मक्खन लगा रहा हूं और इससे बड़ा जरूरी काम दुनिया में कोई और हो ही नहीं सकता। पत्नी तंज करते हुए कह रही है कि घर में कभी मक्खन लाए भी हो ! सूखी ब्रेड लेकर आ जाते हो। मैं कमरे से ही उसे जवाब दे रहा हूं कि यह वह मक्खन नहीं है जो बाजार से खरीद कर लाया जाता है। मैं दूसरे वाला मक्खन लगा रहा हूं। बेलन हाथ में पकड़े पत्नी आकर मेरे सामने तनकर खड़ी हो जाती है। और मेरा मक्खन पर भाषण शुरू हो जाता है। पत्नी सुन रही है और मैं बोल रहा हूं'। हे भाग्यवान ! मक्खन लगाना एक बहुत बड़ी कला है और यह कला हमारे हिंदुस्तान के समाज का एक अमूल्य गुण बन गई है। इस कला के बिना न तो राजनीति की रोटी सिंकती है, न ब्यूरोक्रेसी का तवा गर्म होता है। यह वो कला है जो जन्मजात नहीं होती, बल्कि अनुभव और हालात के चूल्हे पर पकाई जाती है'। पत्नी सुन रही है और मैं उसे बताए जा रहा हूं। मक्खन लगाना सिर्फ एक प्रक्रिया नहीं है, यह एक विज्ञान है। जैसे ही कोई व्यक्ति मक्खन लगाने की प्रक्रिया में माहिर हो जाता है, उसकी तरक्की की सीढ़ी लिफ्ट की तरह ऊपर जाने लगती है। चाहे वह नेता हो, अधिकारी हो या ऑफिस का कोई छोटा-मोटा क्लर्क, मक्खन लगाने का हुनर हर जगह काम आता है। मक्खन लगाने की कला का राजनीति में तो सबसे ज्यादा महत्व है और यह कला राजनीति में ही काम आती है। जो मक्खन लगाने में जितना माहिर होता है, उसकी टिकट उतनी ही पक्की होती जाती है। अगर वह मक्खन लगाने का विशेषज्ञ है तो मंत्री पद तक मिल जाता है। मक्खन लगाने की यह कला ब्यूरोक्रेसी के भी बड़े काम आती है। यहां मक्खन लगाने का स्तर कला से बढक़र माया बन जाता है। ऑफिस में चपरासी से लेकर सचिव तक सब जानते हैं कि 'साहब खुश तो सब खुश।' सरकारी फाइलें मक्खन के सहारे ही चलती हैं।

एक हस्ताक्षर के लिए 'साहब' को कैसे खुश किया जाए, यह भी एक शोध का विषय हो सकता है। लेकिन यहां असली करतब तो मक्खन दिखाता है।' पत्नी मेरी बात पर सिर हिला रही है और मैं आत्मविश्वास से भरपूर होकर आगे बता रहा हूं। मक्खन लगाने की यह कला इतनी विकसित हो चुकी है कि इस कला के विशेषज्ञों ने मक्खन लगाने को अलग-अलग श्रेणियों में बांट दिया है। पहली श्रेणी 'प्रत्यक्ष मक्खन' की है जहां सामने वाले की तारीफ खुलकर की जाती है। दूसरी श्रेणी 'परोक्ष मक्खन' की है जहां सामने वाले को एहसास तक नहीं होता कि उनकी तारीफ हो रही है। तीसरी श्रेणी 'सांस्कृतिक मक्खन' की है जिसमें राष्ट्रीय गौरव और संस्कृति की चाशनी में मक्खन मिक्स कर दिया जाता है।' पत्नी के चेहरे पर मुस्कान आ रही है और मेरी वाणी में सरस्वती विराजमान होने की कोशिश कर रही है। मैं आगे बता रहा हूं, 'भाग्यवान ! मक्खन लगाने की कला इतनी प्राचीन है कि अगर महाभारत के युग में भी यह कला पल्लवित पोषित हुई होती, तो दुर्योधन कौरवों को छोडक़र पांडवों के साथ हो जाता। और रामायण में कैकयी की दासी मंथरा मक्खन लगाने के बदले कोटेशन पास करवा लेती।' पत्नी थोड़ा गंभीर होकर सुनने लगती है और मैं उससे भी ज्यादा गंभीर होकर बताने लगता हूं, 'आज की राजनीति में 'मक्खन लगाने' का असली मेला चुनाव प्रचार में दिखता है। बड़े-बड़े वादों की मलाई और जनता के दुखों पर घी डालकर नेताओं के भाषण तैयार होते हैं। वहीं ब्यूरोक्रेसी में जब अधिकारी अपने वरिष्ठों को मक्खन लगाते हैं, तो देश की नीतियों का असली मकसद खो जाता है। मक्खनबाजी का हर तरफ बोलबाला हो जाता है जिससे लोकतंत्र झूमने लगता है।' पत्नी फिर उत्साह में आकर पूछने लगती है कि 'कितनी मात्रा में मक्खन चाहिए कि वह अपना करतब दिखा दे ?' मैं एक विशेषज्ञ की तरह उसे बताता हूं कि 'इसमें मात्रा महत्व नहीं रखती। मक्खन लगाना एक अद्भुत कला है, जो अगर सही जगह पर इस्तेमाल हो तो काम निकालने में मददगार साबित होती है। लेकिन यही मक्खन अगर ज्यादा लग जाए, तो रोटी फिसल भी सकती है। इसलिए, मक्खन लगाना एक संतुलन का खेल है। और इस खेल में जो जितना माहिर, वो उतना सफल।'।

जनवरी में नॉर्थवेस्ट और मध्य भारत में सामान्य शीतकालीन ठंड गायब है

विजय गर्ग

2024 में रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष के बाद, यह जनवरी 2025 के लिए टोन की स्थापना कर रहा है, जिसमें तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बढ़ रहा है। सामान्य सर्दियों की ठंड उत्तर -पश्चिम और मध्य भारत में गायब है, सूखी हवाओं और उज्ज्वल धूप के साथ घटना में योगदान दिया गया है - ₹गायब वसंत₹ । नॉर्थवेस्ट रिकॉर्ड 'सामान्य' तापमान से ऊपर मौसम कार्यालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में, पूर्वी मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में अलग -थलग स्थानों पर न्यूनतम या रात का तापमान ₹सामान्य रूप से सामान्य से ऊपर₹ (5 डिग्री सेल्सियस या अधिक) था; इंडो-गैंगेटिक मैदानों, मध्य और पश्चिम भारत, असम और मेघालय, और हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पुडुचेरी और हरियाण्य स्थानों पर अधिकांश स्थानों पर ₹सामान्य रूप से सामान्य से ऊपर₹ (3 से 5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर) (3 से 5 डिग्री सेल्सियस)। करीकल; और गैंगेटिक पश्चिम बंगाल में कुछ स्थानों पर ₹सामान्य से ऊपर₹ (1 से 3 डिग्री सेल्सियस) और जम्मू-कश्मीर-लदाख-गिल्टिस्तान-बाल्टिस्तान-मुजफ्फाराबाद, पंजाब, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और रायलेसीमा में अलग-थलग स्थानों पर अलग-थलग स्थानों पर। मैदानों में सबसे कम न्यूनतम तापमान अमृतसर (पंजाब) में 6.1 डिग्री सेल्सियस में दर्ज किया गया था। तापमान में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन ज्यादा नहीं सप्ताहांत तक, तापमान में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन यह ज्यादा नहीं होने जा रहा है, मौसम विज्ञानी कहते हैं। प्रचलित पश्चिमी गड़बड़ी के साथ, दक्षिण -पश्चिम मध्य प्रदेश और पड़ोस पर एक चक्रवाती संचलन पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कुछ बारिश या बर्फ ला सकता है। जैसे -जैसे पश्चिमी गड़बड़ी दूर जाती है, 24 जनवरी की सुबह से तापमान में गिरावट की उम्मीद है। शायद ही सर्दियों की तरह लगता है बारिश/बर्फ तापमान में नीचे ला सकती है, लेकिन क्या इसका मतलब गंभीर ठंड की वापसी भी है ? जवाब है - असंभावित। मौसम कार्यालय का कहना है कि ₹नॉर्थवेस्ट पर 2 से 4 डिग्री सेल्सियस से न्यूनतम तापमान में क्रमिक गिरावट अगले तीन दिनों में होने की संभावना है और इसके बाद कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं है ।₹ तथ्य यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में बदलाव हो रहा है, और मौसम भी बदल रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में जो देखा गया है, वह यह है कि सर्दियों का मौसम कम होता जा रहा है, वसंत का मौसम लगभग नहीं है और यह सर्दियों से ग्रीष्मकाल तक एक सीधा संक्रमण है। स्काईमेट वेदर के महेश पलावत का कहना है कि इस साल, जनवरी में सूखी हवाओं ने नमी को नीचे लाया और हवा को साफ किया, जिससे बदले में गंभीर कोहरे की संभावना कम हो गई, जिससे स्पष्ट आसमान और उज्ज्वल सूरज पेश किया गया। उन्होंने कहा, ₹हिल में हिमाचल और उत्तराखंड ने कम बर्फ प्राप्त की और पहले से ही विलंबित सर्दी शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई थी,₹ उन्होंने कहा। इससे पहले, पहाड़ियों से बर्फीले हवाएं मैदानी इलाकों को ज्यादातर जनवरी तक और फरवरी तक कांपती रहती हैं। 'गायब' वसंत इससे पहले, सर्दियों का मौसम धीरे-धीरे एक सुखद वसंत के मौसम में बदल जाएगा, जिसके बाद झुलसाने वाले ग्रीष्मकाल और जून-सितंबर मानसून का मौसम होगा। हालांकि, डेटा से पता चलता है कि न केवल भारत कम सर्दियों के दिनों को देख रहा है, फरवरी-मार्च में वसंत की सुखदता भी गायब है। पिछले कुछ वर्षों में, दिसंबर काफी हद तक सर्दियों की तरह रहा है, और जनवरी में विलंबित शीतलन के बाद फरवरी में मजबूत वार्मिंग हो रही है, लगभग पूरे उत्तरी, पश्चिमी और केंद्रीय भागों में, जिसमें राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली शामिल हैं।, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख और जम्मू और कश्मीर। बल्कि, त्वरित वार्मिंग ने फरवरी को मार्च की तरह महसूस कराया है। सबसे गर्म के बाद2024, आगे क्या ? 2024 में भारत भर में वार्षिक औसत भूमि सतह के हवा के तापमान के साथ दीर्घकालिक औसत से 0.65 डिग्री सेल्सियस शेष, पिछले साल 1901 के बाद से भारत में रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष था। ₹2024 में वार्षिक औसत तापमान 25.75 डिग्री सेल्सियस, लंबी अवधि के औसत से 0.65 डिग्री से ऊपर था, जो 1901 के बाद से सबसे अधिक दर्ज किया गया था। औसत अधिकतम तापमान 31.25 डिग्री सेल्सियस, 0.20 डिग्री ऊपर था, जो सामान्य से ऊपर, चौथी सबसे ऊंचा, चौथी सबसे ऊंचा था। , ₹आईएमडीबी के अनुसार। मौसम कार्यालय ने यह भी अनुमान लगाया कि भारत के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान ₹जनवरी में सामान्य से अधिक होगा, पूर्वी, उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-मध्य क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में अपवादों के साथ₹। मध्य दक्षिणी प्रायद्वीपीय क्षेत्रों के साथ -साथ उत्तर -पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, अधिकतम या दिन के तापमान को देश के अधिकांश स्तरों से अधिक होने की उम्मीद है। आईएमडी के महानिदेशक के महानिदेशक स्काईमेट वेदर के महेश पलावत कहते हैं, ₹दीर्घकालिक डेटा से पता चलता है कि देश के अधिकांश हिस्से न्यूनतम तापमान में बढ़ती प्रवृत्ति देख रहे हैं, विशेष रूप से मानसून और सर्दियों के मौसम में,₹ आईएमडीबी के महानिदेशक स्काईमेट वेदर के महेश पलावत कहते हैं।

पीएम किसान योजना का बढ़ेगा पैसा? किसानों को सरकार के तोहफे का इंतजार

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत 1 दिसंबर 2018 को हुई थी। इसका मकसद छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक मदद करना है। इस योजना के तहत किसानों को सालाना 6000 रुपये मिलते हैं। किसानों को उम्मीद है कि इस बार बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पीएम किसान योजना के तहत मिलने वाली रकम को बढ़ाएंगी। इससे लाखों किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।

नई दिल्ली। किसानों को केंद्रीय बजट से काफी उम्मीदें हैं, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को पेश करेंगी। किसान सबसे ज्यादा पीएम किसान सम्मान निधि पर दे रहे हैं। इस योजना के तहत सरकार किसानों को सालाना 6000 रुपये की आर्थिक मदद देती है। किसानों बजट में इस रकम के बढ़कर 10,000 होने की उम्मीद कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि क्या वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट में पीएम किसान योजना के तहत मिलने वाली रकम बढ़ाएंगी।

पैसा बढ़ाने की जरूरत क्यों?

कृषि विशेषज्ञों की राय है कि महंगाई बढ़ने का असर खेती पर भी पड़ा है। ऐसे में सालाना 6000 रुपये की आर्थिक मदद काफी नहीं है। यही बात किसान भी कह रहे हैं। एक्सपर्ट का मानना है कि अगर सरकार बजट में पीएम किसान योजना के तहत मिलने वाली रकम बढ़ाती है, तो किसानों को काफी फायदा मिलेगा। वे खेती में बेहतर तरीके से निवेश कर सकेंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

क्या सरकार बढ़ाएगी पैसे

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार पीएम किसान योजना के तहत मिलने वाले 6,000 रुपये को बढ़ाकर 10,000 रुपये करने पर विचार कर रही है। सरकार का मानना है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में खपत भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, अभी इस बारे में कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ और न ही सरकार ने कोई आधिकारिक जानकारी दी है।

पैसे से बढ़ने से क्या फायदा होगा

अगर बजट 2025 में पीएम-किसान योजना की रकम बढ़ती है, तो इसका फायदा लाखों किसानों को मिलेगा। इससे किसानों को बीज खरीदने या सिंचाई और जुताई का खर्च निकालने में आसानी होगी। उनकी आर्थिक स्थिति भी कुछ मजबूत होगी। किसानों को उम्मीद है कि सरकार आर्थिक मदद बढ़ाकर उनका जीवन आसान करेगी। अगर पैसा बढ़ाया जाता है तो यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाएगा।

क्या है पीएम-किसान योजना?

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत 1 दिसंबर 2018 को हुई थी। इसका मकसद छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक मदद करना है। इस योजना के तहत किसानों को सालाना 6,000 रुपये मिलते हैं। ये पैसे सीधे उनके बैंक अकाउंट में भेजे जाते हैं। केंद्र सरकार पीएम किसान योजना की 18 किस्तें जारी कर चुकी है। 19वीं की किस्त की बात करें, तो यह फरवरी 2025 में जारी हो सकती है।

बजट को अंतिम रूप देने का काम शुरू, हलवा सेरेमनी में शामिल हुईं वित्त मंत्री सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को पारंपरिक हलवा समारोह में भाग लिया। इसके साथ वित्त वर्ष 2025-26 के बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम शुरू हो गया है। आम बजट एक फरवरी को लोकसभा में पेश किया जाएगा। हलवा समारोह को बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का आखिरी चरण माना जाता है। वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लॉक में ही स्थित है।

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को पारंपरिक हलवा समारोह में भाग लिया। इसके साथ वित्त वर्ष 2025-26 के बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम शुरू हो गया है। आम बजट एक फरवरी को लोकसभा में पेश किया जाएगा।

बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम शुरू

हलवा समारोह को बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का आखिरी चरण माना जाता है। यह हर साल होने वाला समारोह है, जिसमें हलवा तैयार किया जाता है और बजट की तैयारी में शामिल रहे वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को परोसा जाता है। यह समारोह दिल्ली के नार्थ ब्लाक के 'बेसमेंट' में आयोजित किया जाता है। यहीं पर प्रिटिंग प्रेस है। वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लाक में ही स्थित है।

वित्त मंत्री ने हलवा समारोह में भाग लिया

सूत्रों के अनुसार, वित्त मंत्री ने हलवा समारोह में भाग लिया। बजट प्रेस का दौरा किया और संबंधित अधिकारियों को शुभकामना दीं। माना जा रहा है कि पिछले चार पूर्ण आम बजट और एक अंतरिम बजट की तरह इस बार भी आम बजट 2025-26 को कागज रहित रूप में पेश किया जाएगा। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय के अलावा आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी समारोह में मौजूद थे।

वार्षिक वित्तीय विवरण (जिसे बजट के रूप में जाना जाता है) अनुदान मांगें, वित्त विधेयक आदि सहित केंद्रीय बजट के सभी दस्तावेज 'केंद्रीय बजट मोबाइल एप' पर उपलब्ध होंगे। दरअसल 'हलवा' समारोह बजट की तैयारी में शामिल वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को 'अलग रखने' की प्रक्रिया है। यानी बाहर की दुनिया से वे पूरी तरह अलग-थलग होते हैं।

ये अधिकारी और कर्मचारी संसद में बजट पेश होने तक नार्थ ब्लाक के 'बेसमेंट' में ही रहते हैं। जहां पूरी गोपनीयता रखी जाती है। वित्त मंत्री के लोकसभा में बजट भाषण पूरा करने के बाद ही वे बाहर आते हैं।

ओड़िशा, छत्तीसगढ़ की वित्तीय सेहत सबसे मजबूत, पंजाब और आंध्रप्रदेश की हालत खराब

वित्तीय सेहत के मामले में ओड़िशा, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात जैसे राज्यों की स्थिति मजबूत दिख रही है, वहीं पंजाब, आंध्रप्रदेश, बंगाल, केरल की वित्तीय सेहत खराब है। इन राज्यों की सरकार को वित्तीय सेहत में सुधार के लिए काफी प्रयास करने होंगे। नीति आयोग ने देश के 18 बड़े राज्यों की वित्तीय सेहत का सूचकांक शुक्रवार को जारी किया है।

प्लास्टिक बैग, मल्टीलेयर पैकेजिंग को लेकर भारत में बदलने जा रहे नियम, एक जुलाई से देनी होगी ये जानकारी

नई दिल्ली। भारत में प्लास्टिक कैरी बैग और पैकेजिंग के प्रत्येक निर्माता, ब्रांड मालिक को 1 जुलाई से पैकेजिंग पर बारकोड में प्लास्टिक की मोटाई और निर्माता के नाम सहित अपने सभी डिटेल प्रदान करने होंगे।

इस संबंध में इस हफ्ते पर्यावरण मंत्रालय की तरफ से अधिसूचित नए नियम टॉप प्लास्टिक प्रबंधन नियम, 2016 के तहत 120 माइक्रोन से कम मोटाई के प्रतिबंधित कैरी बैग की सख्त निगरानी सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। टॉप नियम देश में पर्यावरण की दृष्टि से सुदृढ़ प्लास्टिक प्रबंधन के लिए वैधानिक ढांचे का प्रावधान करते हैं।

प्लास्टिक वस्तुओं के इस्तेमाल पर रोक

मंत्रालय ने 2021 में संशोधित नियमों को अधिसूचित किया था, जिसमें 1 जुलाई, 2022 से कम इस्तेमाल और उच्च कूड़ा फैलाने की क्षमता वाली पहचानी गई सोलो वाली प्लास्टिक वस्तुओं के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई थी। संशोधित नियमों में 31 दिसंबर, 2022 से 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग के निर्माण, आयात, स्टॉकिंग, बांटना, बिक्री और इस्तेमाल पर भी बैन लगा दिया गया है।

नई किया फॉलो तो मिलेगी ये सजा

बारकोड में जानकारी प्रदान करने के नए नियमों में कार्रवाई का प्रावधान है।

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 15 के तहत उल्लंघन, कानून के तहत, किसी भी विफलता या उल्लंघन पर कारावास की सजा हो सकती है जिसे पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है या जुर्माना लगाया जा सकता है।

एक लाख रुपये तक या दोनों के साथ बढ़ाया जा सकता है।

यदि विफलता जारी रहती है, तो कानून अतिरिक्त जुर्माने का प्रावधान करता है जो इस तरह के पहले उल्लंघन के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद हर दिन के लिए 5,000 रुपए तक बढ़ सकता है।

किसने पेश किया था पहला बजट, किसके नाम सबसे बड़ा भाषण देने का रिकॉर्ड... 10 बातें जो आप नहीं जानते

परिवहन विशेष न्यूज

बजट2025 वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कुछ ही दिनों में देश का बजट पेश करेंगी। जैसे-जैसे बजट का दिन नजदीक आ रहा है लोगों के मन में कई सवाल आ रहे हैं। भारत का पहला बजट किसने पेश किया... सबसे बड़ा बजट भाषण किसने दिया। आइए जानते हैं भारत के बजट परंपरा के बारे में 10 तथ्य जो कम लोग ही जानते होंगे...

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले महीने 1 फरवरी को केंद्रीय बजट 2025 पेश करेंगी। हर बार की तरह इस बार भी बजट से मध्यम वर्ग को काफी उम्मीदें हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम शुरू हो गया है।

भारत में कब पेश हुआ पहला बजट

साल 1857 की क्रांति को हर कोई देशभर के क्रांतिकारियों द्वारा ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाने से जानता है। लेकिन इसका एक किस्सा बजट से भी जुड़ा है। दरअसल, 1857 की बगावत को दबाने के लिए अंग्रेजों को बड़े पैमाने पर धन-बल का इस्तेमाल करना पड़ा।

इसका बोझ सरकारी खजाने पर भी पड़ा। ब्रिटिश हुकूमत ने जनता की नाराजगी कम करने और अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए भारत का अलग से बजट पेश करने का फैसला किया। इसके लिए एक बड़े अर्थशास्त्री जेम्स विल्सन (James Wilson) को बुलाया गया था।

जेम्स विल्सन स्कॉटिश व्यापारी और मशहूर अर्थशास्त्री थे। जेम्स का जन्म 3 जून 1805 को हुआ था। जेम्स ने ही 'द इकोनॉमिस्ट' की नींव रखी थी, जो आज भी दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित बिजनेस मैगजीन समझी जाती है।

1857 विद्रोह के बाद भारत की शासन प्रणाली में कई बदलाव हुए। ब्रिटिश क्राउन ने भारतीय प्रशासन की जिम्मेदारी ईस्ट इंडिया कंपनी से खुद ले ली।

इसके बाद भारत का प्रशासन पूरी तरह से ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया के अधीन हो गया। उन्होंने 7 अप्रैल 1860 को पहली बार भारत का बजट पेश करवाया और ये बजट पहले फाइनेंस मेंबर जेम्स विल्सन ने किया।

आजाद भारत में किसने किया पहला बजट पेश

आर.के. षणमुगम चेट्टी ने 26 नवंबर 1947 को आजाद भारत का पहला बजट पेश किया था।

भारत की पहली महिला वित्त मंत्री

इंदिरा गांधी बजट पेश करने वाली पहली महिला बनी थीं। उन्होंने 1970-71 वित्त वर्ष का बजट पेश किया था।

कौन थे बजट पेश करने वाले पहले राज्यसभा सांसद?

प्रणब मुखर्जी ने 1982-83 में बजट पेश किया था।

सबसे ज्यादा बार किसने पेश किया बजट?

मोरारजी देसाई ने वित्त मंत्री के रूप में आठ पूर्ण और दो अंतरिम बजट पेश किये थे।

बजट से जुड़े अन्य तथ्य

1991 में यशवंत सिन्हा और मनमोहन सिंह ने मिलकर काम किया। यशवंत सिन्हा ने मार्च में अंतरिम बजट पेश किया और मनमोहन सिंह ने जुलाई में पूर्ण बजट पेश किया। ये पहली बार था जब दो दलों के वित्त मंत्रियों ने एक ही वर्ष में बजट पेश किया।

सबसे बड़ा बजट भाषण निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2020-21 में 2 घंटे 42 मिनट का दिया था।

1965 में टी.टी. कृष्णमाचारी वित्त मंत्री जिन्होंने पहली बार अघोषित या काले धन के स्वैच्छिक घोषणा की योजना शुरू की थी।

मोरारजी देसाई ने 29 फरवरी को 1964 और 1968 को अपने जन्मदिन पर बजट पेश किया था।

मनमोहन सिंह ने 1994-95 में पहली बार सेवा कर बजट में पेश किया था।

बता दें कि पांच बार से ज्यादा बजट पेश करने की सूची में कई वित्त मंत्री हैं। इनमें मोरारजी देसाई (10), पी. चिदम्बरम (9), प्रणब मुखर्जी (7) और सीडी देशमुख (6) शामिल हैं।

मार्च तक और घटेगा बैंकों का एनपीए, पर सब्सिडी बोझ से बढ़ेगी सरकार की मुश्किल

रेटिंग एजेंसी फिच ने मार्च 2024 तक भारतीय बैंकों का सकल एनपीए 0 .4 प्रतिशत और घटकर 2 .4 प्रतिशत पर आने का लगाया अनुमान है। इससे बैंकों की बेहतर होती वित्तीय का पता चलता है। तीन सालों में असुरक्षित पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड उधारी क्रमश 22 प्रतिशत और 25 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़े। 50 हजार रुपये तक दिए जाने वाले पर्सनल लोन में जोखिम बढ़ रहा है।

नई दिल्ली। भारतीय बैंकों का ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग असेट (जीएनपीए) मार्च, 2025 तक 0.4 प्रतिशत घटकर 2.4 प्रतिशत हो सकता है। इसके बाद अगले वित्त वर्ष में इसमें 0.2 प्रतिशत की और गिरावट आएगी। रेटिंग एजेंसी फिच की रिपोर्ट के अनुसार, 'यह बात ठीक है कि असुरक्षित खुदरा ऋणों में जोखिम बढ़ रहा है, लेकिन मजबूत विकास, तेज वसूली और कर्ज को बट्टे खाते में डालने से NPA में होने वाली वृद्धि की भरपाई होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्तमान में 50 हजार रुपये तक दिए जाने वाले पर्सनल लोन में जोखिम बढ़ रहा है। इस तरह के कर्ज गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और फिनटेक द्वारा कम आय वालों को अधिक दिया जाता है, इसलिए इस वर्ग में बड़े भारतीय बैंकों को जोखिम कम है। आरबीआई को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 में बिगड़ा हुआ ऋण अनुपात कम हो जाएगा, जिसके बाद यह वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर लगभग तीन प्रतिशत हो जाएगा। वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में यह 2.6 प्रतिशत था।

वित्त वर्ष 2024 तक के तीन सालों में असुरक्षित पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड उधारी क्रमशः 22 प्रतिशत और 25 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़े हैं। असुरक्षित ऋण से जुड़े जोखिम भार में वृद्धि के बाद, सितंबर 2024 को समाप्त पहली छमाही में यह गति क्रमशः 11 प्रतिशत और 18 प्रतिशत साल-दर-साल तक धीमी हो गई। जून, 2024 तक भारत का घरेलू ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 42.9 प्रतिशत है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कई उभरते बाजारों की तुलना में कम है।

सरकार का सब्सिडी बोझ बढ़ने का अनुमान

बैंक ऑफ बड़ौदा की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 (FY25) में सरकार का सब्सिडी बोझ बढ़कर लगभग 4.1-4.2 लाख करोड़ रुपये तक हो जाने की उम्मीद है। यह वृद्धि मुख्य रूप से खाद्य और उर्वरक सब्सिडी पर अधिक खर्च के कारण है। सरकार ने शुरू में वित्त वर्ष 2025 के लिए खाद्य, उर्वरक और पेट्रोलियम सहित प्रमुख सब्सिडी के लिए 3.8 लाख करोड़ रुपये का बजट अनुमान (बीई) निर्धारित किया था।

हालांकि, रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि विपणन सीजन 2025-26 के लिए रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि के बाद यह आवंटन लगभग 10 प्रतिशत से अधिक होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, भंडारण और परिवहन की उच्च लागत सब्सिडी व्यय को और बढ़ा रही है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि अकेले उर्वरक सब्सिडी के चलते ही बजट नौ से दस प्रतिशत अधिक होने की उम्मीद है। इसका प्रमुख कारण यह है कि मजबूत डॉलर ने आयात लागत बढ़ा दी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि वित्त वर्ष 2026 में सब्सिडी के बोझ से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि सरकार द्वारा इसे तर्कसंगत बनाए जाने की उम्मीद है। ऐसे में कुल सब्सिडी बोझ घटकर चार लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि खाद्य सब्सिडी में बड़ी गिरावट की उम्मीद है, जिसे 2-2.1 लाख करोड़ रुपये के बीच सीमित रखने का अनुमान है। उधर, आयात लागत के निरंतर दबाव के कारण उर्वरक सब्सिडी 1.7-1.8 लाख करोड़ रुपये पर रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 25 के लिए सरकार के सकल उधारी लक्ष्य पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसे 14.01 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि शुद्ध उधारी 11.63 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है।

आईसीएआई ने दिया ज्वाइंट टैक्स फाइलिंग का सुझाव, जानिए पति-पत्नी को कैसे मिल सकता है फायदा?

बजट 2025 इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने देश में एक नई टैक्स फाइलिंग व्यवस्था को अपनाने का सुझाव दिया है। कुछ दिन बाद ही केंद्र सरकार 1 फरवरी को अपना बजट पेश करेगी। यह नई व्यवस्था अगर लागू होती है तो विवाहित जोड़ों को इसका फायदा मिल सकता है। वह अपने टैक्स के बोझ को कर कर सकेंगे।

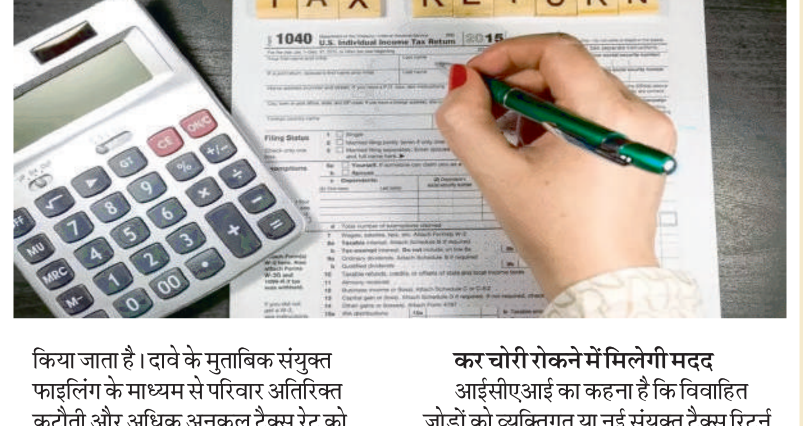

नई दिल्ली। देश में अभी पति-पत्नी को अलग-अलग आयकर रिटर्न भरना पड़ता है। मगर अब अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में लागू आयकर प्रणाली को देश में अपनाने की मांग उठी है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) ने पति-पत्नी के लिए संयुक्त आयकर रिटर्न प्रणाली अपनाने का सुझाव केंद्र सरकार को दिया है। अब देखना होगा कि क्या इस बजट में सरकार इस प्रणाली को अपनाती है या नहीं?

इन परिवारों को मिल सकता लाभ

अलग-अलग आयकर रिटर्न भरने का लाभ उन परिवार को मिलता है, जहां पति-पत्नी दोनों कमाते हैं और किसी एक की सैलरी दूसरे से अधिक होती है। ऐसे मामले में दंपत्ती टैक्स में अलग-अलग कटौती का दावा कर सकते हैं। मगर एकल आय वाले परिवारों को इस लाभ से वंचित रहना पड़ता है।

टैक्स का बोझ कम होगा

अमेरिका जैसे देशों में संयुक्त आयकर फाइलिंग आय को मिलाकर और अतिरिक्त कटौती व क्रेडिट देकर टैक्स के बोझ को कम किया जाता है। दावे के मुताबिक संयुक्त फाइलिंग के माध्यम से परिवार अतिरिक्त कटौती और अधिक अनुकूल टैक्स रेट को अपना कर अपनी कर देयता को काफी कम कर सकते हैं।

आईसीएआई ने दिया सुझाव

आईसीएआई के मुताबिक संयुक्त आयकर रिटर्न व्यवस्था में विवाहित जोड़े को एक टैक्स योग्य यूनिट माना जाएगा। वहीं आयकर रिटर्न दाखिल करते समय उन्हें अपनी आय को समयोजित करने का विकल्प मिलेगा। इससे वह अपने टैक्स के बोझ को कम कर सकेंगे।

कितनी होगी छूट की सीमा

चार्टर्ड अकाउंटेंट चिराग चौहान ने एक्स पर लिखा कि आईसीएआई ने विवाहित जोड़ों के लिए संयुक्त आयकर रिटर्न दाखिल करने की अनुमति देने का सुझाव दिया है। 7 लाख रुपये की व्यक्तिगत आय पर कोई टैक्स नहीं लगता है। अगर विवाहित हैं तो परिवार के लिए छूट की सीमा 14 लाख रुपये होगी।

कर चोरी रोकने में मिलेगी मदद

आईसीएआई का कहना है कि विवाहित जोड़ों को व्यक्तिगत या नई संयुक्त टैक्स रिटर्न व्यवस्था में से किसी एक को चुनने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। दावा है कि एकल आय अर्जित करने वाले परिवारों को इस व्यवस्था से फायदा होगा। इससे कर चोरी करने में भी मदद मिलेगी। प्रस्ताव के मुताबिक संयुक्त रिटर्न फाइल करने की व्यवस्था में मूल छूट सीमा को मौजूदा 3 लाख रुपये से दोगुना करके 6 लाख रुपये किया जाएगा।

संयुक्त रूप से आयकर दाखिल करने पर विवाहित जोड़ों के लिए प्रस्तावित टैक्स स्लैब

6 लाख रुपये तक	कोई टैक्स नहीं
6-14 लाख रुपये	5 प्रतिशत टैक्स
14-20 लाख रुपये	10 प्रतिशत टैक्स
20-24 लाख रुपये	15 प्रतिशत टैक्स
24-30 लाख रुपये	20 प्रतिशत टैक्स
30 लाख रुपये से अधिक	30 प्रतिशत टैक्स

आजाद मुल्क के दो रजवाड़ों के लोगों को गणतांत्रिक अधिकार आज भी नसीब नहीं

कार्तिक परिच्छा, झारखंड

देश को आजादी मिलने के साथ एक एक कर 562 उन देशी रियासतों मे से सरायकेला एवं खरसावां 2 का विलय 14 एवं 15 दिसंबर 1947 को विधिवत विलय भारतीय अधिराज्य मे हुआ था । पूर्व की ओडिया रियासत होने के साथ जहां इन दोनों ओडिया रियासतों को ओड़िशा मे रख कर जैसे ही शासन का अधिग्रहण तत्कालीन ओडिशा सरकार कराती ठीक उसी समय खरसावां मे एक अनहोनी हो जाती है । वह कुछ और नहीं बल्कि खरसावां गोलीकांड था जिसका एकमात्र उद्देश्य सरायकेला खरसावां को ऐन केन प्रकारेण बिहार मे लाना था । इस षड्यंत्र के षड्यंत्रकारी कौन थे क्या अभिप्राय था उनका ।इन संपन्न ओडिया दो देशी राज्य इलाके को लेकर आज भी लोगों की भाषा संस्कृति, आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक शोषण जग जाहिर है ।कभी दुसरे राज्यों के विधानसभा तो लोकसभा मे सरायकेला खरसावां मेरा है मुझे लौटा दे लौटा दो कहती हैं ओडिशा सरकार ।आजतक इन दो देशी रियासत को न्याय नसीब नहीं होना गणतंत्र मे सामाजिक अधिकार छीना जाना एक गहन अध्ययन का विषय बना हुआ है ।

जब खरसावां गोलीकांड हुई तब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा राजेन्द्र प्रसाद हुआ करते थे । ओडिशा तथा सरायकेला बीच मे स्थित मयूरभंज राज का विलय स्वतंत्र भारत वर्ष मे राजनीतिक कारण वश नही हो पाने के कारण भौगोलिक कारण दो ओडिया देशी रियासतों को महज एक वर्ष के लिज बिहार मे 18 मई को लाया जाता है ।1 जनवरी 1949 को जैसे ही मभूरभंज राज्य का विलय भारत वर्ष मे हो जाता है वसे ही इसे ओडिशा को लौटा देना था पर तत्कालीन राजनीतिक को सरायकेला खरसावां के हित मे पंडित नेहरु ने उलझाए रखा, जिस पर राजेंद्र प्रसाद का क्या लगाव रहा सब जाने ।इस षड्यंत्र के अनेक बड़े किरदार आजादी के बाद ऊंचे ओहदे पर जा बैठे जाते है ।आजादी तीन वर्ष के बाद संविधान संगत भारत वर्ष गणतांत्रिक राष्ट्र बन जाता है, वही राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति बन कर रायसेना हिल महल मे राजा बन जाते । वहीं प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल बनते है । इन दोनो ने 1951-52 का प्रथम आम चुनाव लडते समय खरसावां गोलीकांड से जुड़े नाम बड़े प्रभावी चेहरे को एकत्रित कर मुहिम छेड़ने जिम्मेदारी जयपाल सिंह मुंडा को देते जो तत्कालीन बड़े आदिवासी चेहरा होने के साथ सरायकेला खरसावां दो देशी रियासत हेतु आजाद मुल्क मे हुई गोलीकांड के समय आदिवासी नेतृत्वकर्ता थे एवं उस दिन का बैठक का बुलावा उनका था ।कारण 1जनवरी 1948 को उनके ही नेतृत्व पर खरसावां हाट मे आम सभा बुलाई गयी थीं ।

इसके साथ अगले चुनाव की तैयारी थी राजागण काफी शक्तिशाली थे उन्हे तहस नहस करना अति आवश्यक था। इनके ओडिशा मे रहते जयपाल की पार्टी चुनाव जीत नहीं पाती ।कल तक जो आदिवासी महासभा समाजिक संगठन थी वह जमशेदपुर मे एक राजनीतिक पार्टी मे तब्दील हुई ।उन्होंने इलाके की मिश्रित जन जीवन देखते हुए पार्टी की लम्बी यात्रा हेतु बड़े पैमाने पर गैर आदिवासियों को शामिल किया ।जयपाल 1939मे आदिवासी महासभा के अध्यक्ष होने के साथ 1940मे ही कांग्रेस के रामगढ़ अधिवेशन मे सुभाष चन्द्र बोस से विचार पृथक कर कांग्रेस के तरफ हुए थे तथा झारखंड राज्य की वकालत की थी ।

उन्होंने झारखंड पार्टी के उम्मीदवार के रूप मे पहला आम चुनाव लड़ा ।तथा 60.85%वोट शेयर के साथ 32 सीटें ले आये 1952 के बिहार विधानसभा मे मुख्य विपक्षी पार्टी बन गयी उनकी मुर्गा छाप पार्टी ।1955मे पार्टी ने राज्य पुनर्गठन आयोग को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें दक्षिणी बिहार के आदिवासी क्षेत्र को शामिल करके अलग झारखंड राज्य निर्माण का प्रस्ताव तो लाया पर क्षेत्र कि भाषाई विविधता एक संपर्क भाषा न होना उसकी विविधता आदिवासी आबादी की अल्पसंख्यक स्थिति यह प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।1957,1962 उनका वोट प्रतिशत 60.25%,52.66% तक घटता गया पर वे एन केन प्रकारेण जीतते गये ।उनकी घटती लोकप्रियता के कारण उनकी पार्टी नेहरू, डा राजेन्द्र प्रसाद के पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मे 1963 मे विलय कर दिया ।उधर राज्य पुनर्गठन आयोग ने उनका अलग राज्य की मांग को खारिज कर दिया ।1967 मे कांग्रेस से खुटी से चुनाव लड़ा किसी प्रकार जीते कारण अनेक कार्यकर्ता कांग्रेस मे शामिल नही हुए ।

अब आइये इन दो सरायकेला व खरसावां देशी रियासत बाद मे विधासभा सीट के विषय मे जो विधासभा सीट तो बने जहां सरायकेला अनारक्षित सीट सामान्य वर्ग के लिए था । उधर जिस सरदार पटेल के समक्ष राज्यों का विलय हुआ उन्होने तत्कालीन बिहार के मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह को भी सरायकेला खरसावां को पुनः ओडिशा मे लौटाने हेतु पत्र लिखा पर बडी चलाकी से वे मुकर गये ।यह षड्यंत्र था ।इसी बीच सरदार पटेल का देहान्त हो गया । पहले अलग कर सरायकेला रियासत का तत्कालीन बिहार राज्य में विलय हुआ और वर्ष 1952 में पहली बार बिहार राज्य में विस का चुनाव हुआ तो सामान्य सीट से सरायकेला से मिहिर कवि विधायक बने. उस समय यह सीट अनारक्षित हुआ करता था. वे स्वतंत्र पार्टी से जीत हासिल कर विधायक बने थे. इसके बाद हुए चुनाव में अपने हाथ अपनी राज्य को गवर्नर जनरल को भारतीय अधिराज्य मे देने वाले हस्ताक्षर करने वाले राजा आदित्य प्रताप सिंहदेव वने उनके बाद उनका पुत्र टिकायत नृपेंद्र नारायण सिंहदेव बने फिर रूद्र प्रताप षाड़ंगी बने उनके बाद वन बिहारी महतो, फिर टिकायत के बड़े बेटे राजा शतभानु सिंहदेव बिहार विधानसभा मे विधायक चुन कर पहुंचे. सरायकेला विधानसभा वर्ष 1977 के पूर्व तक अनारक्षित था इसके बाद इससे अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित कर दिया गया. आरक्षित सीट पर पहली बार 1977 में कादे मांझी जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीत कर विधानसभा को पहुंचे थे. वे लगातार दो बार विधायक बने. सरायकेला विस में सबसे कम वोट से जीतने का रिकार्ड वर्ष 1972 में राजा सतभानु सिंहदेव के नाम पर है. उन्होंने मात्र 299 वोट से जीत हासिल की थी और विधायक बने थे.

सरायकेला विस में अब तक के विधायक एक नजर मेंवर्ष 1952 महिर कवि (स्वतंत्र पार्टी)वर्ष 1957 राजा आदित्यप्रताप सिंहदेव (स्वतंत्र पार्टी)वर्ष 1962 टिकैत नृपेंद्र नरायण सिंहदेव (स्वतंत्र पार्टी)वर्ष 1967 रुद्र प्रताप षाडंगी (जनसंघ)वर्ष 1969 वनबिहारी महतो (अखिल भारतीय झारखंड पार्टी) वर्ष 1972 सतभानु सिंहदेव (कांग्रेस) वर्ष 1977 कादे मांझी (जनता पार्टी) वर्ष 1980 कादे मांझी (जनता पार्टी)वर्ष 1985 कृष्णा मार्डी (झामुमो)वर्ष 1990 कृष्णा मार्डी (झामुमो) वर्ष 1991 चंपाई सोरेन (झामुमो) वर्ष 1995 चंपाई सोरेन (झामुमो) वर्ष 2000 अनंतराम टुडु (भाजपा) वर्ष 2005 चंपाई सोरेन (झामुमो) वर्ष 2009 चंपाई सोरेन (झामुमो) तब से अबतक चौपाई सोरेन झामुमो से पर 2024मे चंपाई भाजपा मे चले जाने के बाद वे जीते ।सच तो यह है कि सरायकेला खरसावां के ओडिया लोगों को आजतक न्याय नहीं मिला उनकी भाषा संस्कृति सामाजिक आर्थिक राजनीतिक उत्थान आते आते खत्म कर दिया गया बिहार एवं झारखंड मे

चलती ट्रेन में सेल्फी ले रही थी छात्री, चली गई जान

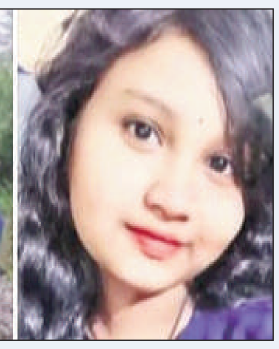

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : केंदुझर जिले के हरिचंदनपुर थाना क्षेत्र के टांगियापाल रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे चलती ट्रेन से गिरकर एक मेधावी छात्र की मौत हो गई। छात्रा म्हालिता बेहरा (22) है, जो पटना प्रखंड के खिरेइतांगिरी पंचायत के दालंग गांव के विजयानंद बेहरा की पुत्री है ।उन्होंने 2024 में श्री रामचंद्र भवन विश्वविद्यालय में कंप्यूटर विज्ञान की परीक्षा में 87 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया। वह भुवनेश्वर के एक निजी कॉलेज में एमसीए के प्रथम वर्ष में पढ़ रहा था।

जानकारी के अनुसार वह अपने दोस्तों के साथ पुरी-बड़बिल एक्सप्रेस से पुरी से क्योंझर जा रहा था। बताया जा रहा है कि टांगियापाल स्टेशन से कुछ किलोमीटर दूर सेल्फी लेते समय वह चलती ट्रेन से गिर गए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन दोस्तों ने बताया कि वह शौचालय गया था और वापस नहीं लौटा। हालांकि, एक रेलवे ट्रैकमैन ने उसे गिरते हुए देखा और तंगियापाल स्टेशन के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। रेलवे और हरिचंदनपुर पुलिस ने घटनास्थल से पांच शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मोहलिता के पिता और विश्वबिनायक कॉलेज के चेयरमैन रविनारायण महानाथ ने घटनास्थल पर शवों की पहचान की। भद्रक जेआरपी पुलिस हेमलता बेहरा ने कहा कि भद्रक रेलवे पुलिस स्टेशन में मामला (संख्या 4/25) दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। जाजपुर-केंदुझार रोड के रेलवे पुलिस एसआई सुशांत सेठी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और जांच जारी है।

गणतंत्र के 76 साल : हमने क्या खोया और क्या पाया

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारत ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है। भारत ने साहित्य, खेल, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत ने अपनी विविध संस्कृति को संरक्षित करते हुए उसे गहरा अर्थ दिया है। भारत विकास में आगे बढ़ गया है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य, खेल और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में राष्ट्र ने अपनी पहचान स्थापित की है। इस विकास यात्रा में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। वर्तमान में भारत को एक मजबूत देश माना जाता है। यह इस क्षण में नहीं है। आज विश्व की नजर भारत पर है। देश ने अपने आंतरिक मुद्दों और कठिनाइयों के बावजूद पिछले वर्षों में कुछ ऐसा हासिल किया है जो विश्व को आकर्षक लगता है। ऐसी कुछ बातें हैं जिन पर राष्ट्र को गर्व हो सकता है, और ऐसी कुछ बातें भी हैं जिन पर खेद व्यक्त किया जा सकता है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

26 जनवरी, 2025 को अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाने के लिए तैयार है, जो अपने देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए लड़ने वाले असंख्य लोगों के लक्ष्यों, सिद्धांतों और बलिदानों की एक मार्मिक याद दिलाता है। इस लम्बे समय में हमने जो कुछ पाया और खोया है, उसके बारे में परस्पर विरोधी भावनाएं हैं। इस मामले में ₹क्या खो गया₹ प्रश्न गलत प्रतीत होता है। क्योंकि जिसने पा लिया वह खो गया। हमारा गणतंत्र और हमारी स्वतंत्रता दोनों ही नये थे। इस प्रकार, हमने इसकी खोज की। स्वाभाविक रूप से, जो को उतना नहीं मिला जितना वह हकदार था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, एक गणतंत्र की स्थापना हुई। इस स्वतंत्रता और गणतंत्र को बचाए रखने की क्षमता सबसे बड़ी उपलब्धि है। पिछले 25 वर्षों से हम लगातार सीमापार छद्म संघर्षों तथा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के बावजूद अपने देश की विविधता और एकता को बनाए रखने में सफल रहे हैं।

भारत को मुख्यतः तीन प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। भारतीय समाज की विविधता को ध्यान में रखते हुए भारत को एकजुट करने का रास्ता खोजना पहली और सबसे बड़ी चुनौती थी। आकार और विविधता की दृष्टि से भारत किसी भी महाद्वीप के बराबर था। विविध संस्कृतियों और धर्मों के अलावा, कुछ लोग अलग-अलग बोलियाँ भी बोलते हैं। उस समय लोगों का मानना था कि इतनी विविधता वाला देश लंबे समय तक एकजुट नहीं रह सकता। एक तरह से देश के विभाजन को लेकर लोगों की आशंकाएं सच हो गईं। क्या भारत अपनी एकता बनाये रख पायेगा? क्या यह अन्य लक्ष्यों की अपेक्षा राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देगा? क्या ऐसी क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय पहचान को अस्वीकार कर दिया जाएगा? उस समय का सबसे ज्वलंत और पीड़ादायक प्रश्न यह था कि भारत की क्षेत्रीय अखंडता को कैसे बनाए रखा जाए। इससे देश के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गईं। लोकतंत्र को अक्षुण्ण बनाए रखना दूसरी चुनौती थी। भारतीय संविधान के बारे में सभी जानते हैं। जैसा कि आप जानते हैं, संविधान के तहत प्रत्येक नागरिक को वोट देने का अधिकार और मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। भारत ने प्रतिनिधि लोकतंत्र के अंतर्गत संसदीय शासन को अपनाया। इन गुणों से यह सुनिश्चित हो गया कि राजनीतिक चुनाव लोकतांत्रिक वातावरण में होंगे। यद्यपि लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए लोकतांत्रिक संविधान आवश्यक है, परंतु यह अपर्याप्त है। संविधान के अनुसार लोकतांत्रिक व्यवहार लागू करना एक और चुनौती थी। तीसरी कठिनाई विकास की थी।

गणतंत्र दिवस पर हम आत्मचिंतन करते हैं और सोचते हैं कि हमने क्या खोया और क्या पाया। गणतंत्र दिवस पर हम अपनी उपलब्धियों और असफलताओं का आकलन करते हैं। इसके अलावा, हम भविष्य में आने वाली चुनौतियों और लक्ष्यों पर भी विचार करते हैं। अब समय आ गया है कि हम रुककर सोचें कि वर्षों की इस यात्रा में हमने क्या खोया और क्या पाया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारत ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है। भारत ने साहित्य, खेल, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत ने अपनी विविध संस्कृति को संरक्षित करते हुए उसे गहरा अर्थ दिया है। भारत विकास में आगे बढ़ गया है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य, खेल और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में राष्ट्र ने अपनी पहचान स्थापित की है। इस विकास यात्रा में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। वर्तमान में भारत को एक मजबूत देश माना जाता है। यह इस क्षण में नहीं है। आज विश्व की नजर भारत पर है। देश ने अपने आंतरिक मुद्दों और कठिनाइयों के बावजूद पिछले वर्षों में कुछ ऐसा हासिल किया है जो विश्व को आकर्षक लगता है। ऐसी कुछ बातें हैं जिन पर राष्ट्र को गर्व हो सकता है, और ऐसी कुछ बातें भी हैं जिन पर खेद व्यक्त किया जा सकता है। यदि किसी लोकतांत्रिक देश में सामाजिक-आर्थिक असमानता बनी रहती है, तो यह राजनीतिक समानता को भी निगल जाती है, भले ही औपचारिक और कानूनी राजनीतिक समानता बरकरार रहे। आज का भारत काफी हद तक इसकी पुष्टि करता है। आज हमारा संविधान विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त है। भ्रष्टाचार, बलात्कार, प्रदूषण, जनसंख्या नियंत्रण जैसी अनेक समस्याओं ने भारत माता को रक्तरंजित कर दिया है। आज भी हमारा गणतंत्र कुछ कंटीली झाड़ियों में फंसा हुआ नजर आता है।

युवाओं में असंतोष और क्रोध बढ़ रहा है। उन्हें गलत दिशा में चलने के लिए मजबूर किया जाता है। चुनाव संबंधी भ्रष्टाचार और बल के दुरुपयोग ने इसे विकृत कर दिया है। येन-केन युग के सत्ता संघर्ष ने राजनीति को अवैध बना दिया है। सामाजिक बुराइयों से निपटने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। कुछ स्थानों पर यह चिंताजनक रूप से उभर कर सामने आया है। दलितों के विरुद्ध अत्याचार बढ़ गए हैं, साथ ही जातिगत भेदभाव भी बढ़ गया है।

उनकी महिलाओं पर हमले और बलात्कार की घटनाएं बढ़ गयी हैं। प्रांतीयता और जातीयता का जहर अभी भी वातावरण में मौजूद है। लोग खुद को भारतीय कहने के बजाय बंगाली, बिहारी, गुजराती, पंजाबी, तमिल, कन्नड़ आदि के रूप में पहचानते हैं। इसके अलावा वे अलग-अलग जातियों में विभाजित भी दिखाई देते हैं। जातीय सेनाओं की हिंसा चिंताजनक है। कर्ज, भुखमरी, भारी बारिश, बाढ़ और अन्य कारण किसानों को आत्महत्या के लिए प्रेरित कर रहे हैं। विस्थापित लोगों के पास पर्याप्त आवास और रोजगार नहीं है। नक्सलवाद का इतिहास इसका प्रमाण है। आजकल महिलाएं और लड़कियां पहले से कहीं अधिक असुरक्षित हैं तथा बलात्कार की घटनाएं लगातार हो रही हैं। हमारे नेताओं द्वारा की गई खेदजनक टिप्पणियों से हमारा मनोबल और भी गिर गया है। हमारे संविधान के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल सिद्धांत का अभी भी उल्लंघन किया जा रहा है। यह एक चेतावनी संकेत है. हमें पीछे धकेलना चाहिए. इस महत्वपूर्ण अवसर को अब एक परियोजना का रूप देने की आवश्यकता है, क्योंकि हमने इसे अभी केवल संगठनात्मक रूप दिया है।

झंडारोहण, ध्वज फहराना : तिरंगे से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

छब्बीस जनवरी हमारे देश का राष्ट्रीय पर्व है ।सभी जानते हैं कि 26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था। हम सभी के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है, क्यों कि इसी दिन भारत ने खुद को एक स्वतंत्र गणराज्य के रूप में स्थापित किया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह दिन हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है, और हमें एक नई दिशा और प्रेरणा प्रदान करता है। गौरतलब है कि इस दिन का महत्व सिर्फ हमारे देश के संविधान के लागू होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमें हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों की भी याद दिलाता है, जिन्होंने अपने संघर्षों और बलिदानों के जरिए हमें अंग्रेजी से आजादी दिलाई थी ।भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्तित्वों ने हमें अपने देश सेवा में पूरी निष्ठा, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठ होने का पाठ सिखाया। छब्बीस जनवरी के दिन हम सब देशवासी उन दूरदर्शी जन-नायकों, विद्वानों का कृतज्ञता-पूर्वक स्मरण करते हैं, जिन्होंने हमारे भव्य और प्रेरक संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि गणतंत्र दिवस, हमारे आधारभूत मूल्यों और सिद्धांतों को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। वास्तव में, छब्बीस जनवरी वह महत्वपूर्ण दिन है जो भारत के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार और लिखित संविधान के साथ एक गणतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक है ।सच तो यह है कि यह देश के संविधान और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और एकता जैसे इसके मूल्यों का जश्न मनाने का दिन है ।बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे युवाओं के आत्मविश्वास के बल पर ही भावी भारत का निर्माण हो रहा है ।आज भारत पचपन करोड़ से अधिक युवाओं के साथ विश्व का सबसे युवा देश है। अतः विशेषकर युवाओं को ध्वज के बारे में कुछ विशेष तथ्य जानने की जरूरत है ।हर साल 26 जनवरी(गणतंत्र दिवस) को झंडा फहराया(फ्लैग अनफर्लिंग) जाता है और 15 अगस्त को ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) किया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग यह बात जानते होंगे कि ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) और झंडा फहराने(फ्लैग अनफर्लिंग) में अंतर होता है। तो आइए ! हम यहां यह जानते हैं दोनों में क्या फर्क और अंतर है ? पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि ध्वजारोहण(फ्लैग होस्टिंग) का कार्यक्रम 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन होता है। जानकारी के अनुसार, 1947 में इस दिन ही भारत में ब्रिटिश राज का झंडा नीचे उतारकर हमारे राष्ट्रीय ध्वज को ऊपर चढ़ाया गया था। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ध्वज को जब स्तंभ पर नीचे से ऊपर की तरफ चढ़ाया जाता है तो यह ध्वजारोहण कहलाता है। ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्र गान भी बजाया जाता है। वास्तव में, ध्वजारोहण किसी नए राष्ट्र के उदय का प्रतीक माना जाता है। इसे भारत के उदय और ब्रिटिश शासन के अंत के तौर पर भी चिह्नित किया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि लाल किले पर होने वाले कार्यक्रम यानी स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ध्वजारोहण करते हैं ।अब यहां प्रश्न यह उठता है कि 15 अगस्त के दिन आखिर प्रधानमंत्री ही लाल किले पर ध्वजारोहण क्यों करते हैं ? तो इसका सीधा सा उत्तर यह है कि राष्ट्रपति, भारत सरकार का संवैधानिक प्रमुख होता है ।ऐसे में स्वतंत्रता दिवस पर भी उन्हें ही ध्वजारोहण करना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं होता। दरअसल, जब देश 1947 में आजाद हुआ था, तब भारत का कोई आधिकारिक राष्ट्रपति नहीं था। उस वक्त लॉर्ड माउंटबेटन भारत के गर्वनर थे और जवाहरलाल नेहरू को भारत का प्रधानमंत्री चुना गया था ।चूंकि, माउंटबेटन ब्रिटिश सरकार के अफसर थे, इसलिए स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने का काम प्रधानमंत्री ने किया। तब से भारत के प्रधानमंत्री ही 15 अगस्त को लाल किले पर ध्वजारोहण कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर झंडा फहराना, मुड़े हुए या लपेटे हुए झंडे को खोलने या अनावरण करने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। यह आमतौर पर झंडे को रस्सी से बांधकर और फिर रस्सी को खींचकर झंडा फहराने के द्वारा किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो गणतंत्र दिवस(26 जनवरी) के दिन झंडा पहले से ही खंभे पर ऊपर की ओर बंधा रहता है, और इसकी रस्सी खींच कर इसे फहराना होता है, इसी प्रक्रिया को झंडा फहराना कहा जाता हैं ।इसके साथ फूलों की पंखुड़ियां भी लगी होती हैं, जिसके कारण तिरंगा फहराने पर पुष्प वर्षा होती है। यहां यह उल्लेखनीय है कि चूंकि हमारे देश का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था और राष्ट्रपति को देश का संवैधानिक प्रमुख कहा जाता है। ऐसे में हर साल देश के राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख के हाथों ही कर्तव्य पथ(पुराना नाम राजपथ) पर झंडा फहराया जाता है। उल्लेखनीय है कि 26 जनवरी को झंडा कार्यक्रम के दौरान परेड की शुरुआत से पहले राष्ट्रीय ध्वज को फहराया जाता है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि हम सभी को भारतीय ध्वज संहिता और इससे जुड़े नये नियमों के बारे में जानकारी होनी चाहिए, क्यों कि हमारा झंडा राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और यह गरिमापूर्ण राष्ट्रीय प्रतीकों में से एक है। पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय ध्वज संहिता 26 जनवरी, 2002 को लागू हुई और 30 दिसंबर, 2021 को इसमें कुछ संशोधन किए गए। गौरतलब है कि इससे पहले तक तिरंगा फहराने के नियम 'एम्बलेम्स एंड नेम्स (प्रिवेन्शन ऑफ इम्प्रॉपर यूज) एक्ट, 1950' और 'प्रिवेन्शन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट, 1971' के तहत आते थे ।नए कोड में राष्ट्रीय ध्वज को घर के खुले क्षेत्रों में फहराना शामिल है, जहाँ दिन और रात दोनों समय फहराया जा सकता है। भारतीय झंडा संहिता, 2002 में निहित मुख्य दिशा-निर्देशों के अनुसार 'भारत का राष्ट्रीय ध्वज, भारत के लोगो की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिरूप है। यह हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है और सबके मन में राष्ट्रीय ध्वज के लिए प्रेम, आदर और निष्ठा है। यह भारत के लोगों की भावनाओं और मानस में एक अद्वितीय और विशेष स्थान रखता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण/प्रयोग/संप्रदर्शन राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता, 2002 द्वारा नियंत्रित है। 30 दिसंबर, 2021 के आदेश द्वारा पॉलिएस्टर के कपडे से बने एवं मशीन द्वारा निर्मित राष्ट्रीय ध्वज की अनुमति दी गई। अब व्यवस्था है कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काते गए और हाथ से बुने हुए या मशीन द्वारा निर्मित, सूती/पॉलिएस्टर/ऊनी/सिल्क/खादी के कपडे से बनाया गया हो। इतना ही नहीं अब कोई भी व्यक्ति, कोई भी गैर-सरकारी संगठन अथवा कोई भी शिक्षा संस्था राष्ट्रीय झंडे को सभी दिनों और अवसरों, औपचारिकताओं या अन्य अवसरों पर फहरा/प्रदर्शित कर सकता है, बशर्ते राष्ट्रीय झंडे की मर्यादा और सम्मान का ध्यान रखा जाये। इतना ही नहीं, भारतीय झंडा संहिता, 2002 को 20 जुलाई, 2022 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया एवं भारतीय झंडा संहिता के भाग- II के पैरा 2.2 की धारा (xi) को निम्नलिखित धारा से प्रतिस्थापित किया गया-'जहाँ झंडे का प्रदर्शन खुले में किया जाता है या जनता के किसी व्यक्ति द्वारा घर पर प्रदर्शित किया जाता है, वहां उसे दिन एवं रात में फहराया जा सकता है', 'राष्ट्रीय झंडे का आकार आयताकार होगा। यह किसी भी आकार का हो सकता है परन्तु झंडे की लम्बाई और ऊंचाई (चौडाई) का अनुपात 3:2 होगा। इतना ही नहीं, जब कभी राष्ट्रीय झंडा फहराया जाये तो उसकी स्थिति सम्मानजनक और पृथक होनी चाहिए ।फटा हुआ और मैला-कुचैला झंडा प्रदर्शित नहीं किया जाये। झंडे को किसी अन्य झंडे अथवा झंडो के साथ एक ही ध्वज-दंड से नहीं फहराया जाये। संहिता के भाग-III की धारा-IX में उल्लखित गणमान्यों जैसे राष्ट्रपति, उप- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल आदि, के सिवाय झंडे को किसी वाहन पर नहीं फहराया जायेगा।

किसी दूसरे झंडे या पताका को राष्ट्रीय झंडे से ऊँचा या उससे ऊपर या उसके बराबर में नही लगाना चाहिए। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 राष्ट्रीय ध्वज, संविधान, राष्ट्रगान और भारतीय मानचित्र सहित देश के सभी राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान को प्रतिबंधित करता है।

यदि कोई व्यक्ति अधिनियम के तहत विभिन्न अपराधों जैसे कि राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करना, भारत के संविधान का अपमान करना, राष्ट्रगान के गायन को रोकना आदि में दोषी ठहराया जाता है, तो वह 6 वर्ष की अवधि के लिये संसद एवं राज्य विधानमंडल के चुनाव लड़ने हेतु अयोग्य हो जाता है। गौरतलब है कि संविधान का भाग IV-ए (जिसमें केवल एक अनुच्छेद 51-ए शामिल है) ग्यारह मौलिक कर्तव्यों को निर्दिष्ट करता है ।अनुच्छेद 51ए(ए) के अनुसार, भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों एवं संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज तथा राष्ट्रगान का सम्मान करे। बहरहाल, यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से साल 2022 में 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाए जाने के बाद से अब लोग अपने घरों पर भी तिरंगा फहराने लगे हैं ।घर पर तिरंगा फहराते समय कुछ खास नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। ऐसा ना करने पर जाने-अनजाने में हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान हो सकता है, जो कि कानूनन जुर्म है। कुछ मामलों में तो इसके लिए तीन साल तक जेल भी हो सकती है। गौरतलब है कि अगर कोई व्यक्ति तिरंगे झंडे को पब्लिकली जलाता है, गंदा करता है, कुचलता है या नियम के खिलाफ जाकर ध्वजारोहण करते हुए पाया जाता है, तो उसे 3 साल की जेल या जुर्माने की सजा अथवा दोनों भी हो सकती है ।भारतीय झंडा संहिता के मुताबिक, कट-फटे तिरंगे को दफना देना चाहिए या फिर उसे एकांत में कहीं जलाकर नष्ट कर देना चाहिए ।पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने 'फ्लैग कोड' के नियमों में दो बड़े बदलाव किये थे। पहला बदलाव ये किया गया कि तिरंगे को सूर्यास्त तक फहराने की बजाय अब रात में भी यानी 24 घंटे फहराया जा सकता है ।दूसरा बदलाव ये किया गया कि पहले सिर्फ हाथ से बुने और काते ऊन, कपास या रेशमी खादी के तिरंगे फहराने की अनुमति थी। अब मशीन से बने कपास, ऊन या रेशमी खादी के तिरंगे भी फहराए जा सकते हैं। इतना ही नहीं, पॉलिएस्टर का झंडा भी फहरा सकते हैं ।झंडा फहराते हुए हम सभी को यह याद रखना चाहिए कि यह आयताकार होना चाहिए और उसकी लंबाई-चौड़ाई का अनुपात 3:2 होना चाहिए। इसका मतलब है कि लंबाई, चौड़ाई से डेढ़ गुना होनी चाहिए। इतना ही नहीं, तिरंगा कभी भी जमीन को नहीं छूना चाहिए ।झंडा फहराते समय केसरिया रंग हमेशा ऊपर की तरफ रहना चाहिए ।यदि हम तिरंगे के साथ कोई और झंडा फहरा रहे हैं, तो हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि दूसरा झंडा राष्ट्रीय ध्वज से बड़ा या उसके बराबर नहीं होना चाहिए। हमें यह चाहिए हम झंडे को पानी में नहीं डुबाएं और उस पर कुछ भी लिखना भी गलत है। इतना ही नहीं, बिना सरकारी आदेश के झंडे को आधा झुकाकर नहीं फहराना चाहिए। पाठकों को बताता चलूं कि ध्वजारोहण के लिए इस्तेमाल तिरंगा खादी, सूती या सिल्क का हो तो बहुत अच्छा है, हालांकि 2022 के बाद अन्य मटेरियल से बना झंडा भी फहरा सकते हैं।

-सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023